ज्येष्ठ कृष्णा - 8 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 290 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 20-05-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 भाजपा विरोध की हर आवाज से भयभीत : खरगे
6 रावलपिंडी जीएचक्यू : बर्बाद गुलिस्तां करने को एक ही उल्लू काफी था ...
7 विंध्यवासिनी देवी के दर मिर्जापुर पहुंचीं अक्षरा सिंह

फर्स्ट टेक

पहलगाम आतंकी हमले के बाद असम में 71 ‘देशद्रोही’ गिरफ्तार

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद कथित रूप से ‘‘राष्ट्र-विरोधी’’ गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में तीन और लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिससे ऐसे मामलों में राज्य में गिरफ्तार किए गए लोगों की संख्या बढ़कर 71 हो गई है। सोशल मीडिया मंच ‘एक्स’ पर एक पोस्ट में शर्मा ने कहा कि कोकराझार, गोलपारा और दक्षिण सलमारा-मनकाचर जिलों से एक-एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा, ‘‘71 देशद्रोही अब सलाखों के पीछे हैं! असम पुलिस डिजिटल माध्यमों पर कड़ी निगरानी रख रही है।’’

इजराइली सेना ने गाजा के दूसरे सबसे बड़े शहर को खाली करने का आदेश दिया

तेल अवीव/एपी। इजरायली सेना ने गाजा के दूसरे सबसे बड़े शहर खान यूनिस और आसपास के कस्बों के निवासियों को क्षेत्र खाली करने का सोमवार को आदेश जारी किया। सैन्य प्रवक्ता अविचाय अद्राई ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर आदेश पोस्ट करते हुए कहा कि पूरा क्षेत्र ‘‘एक खतरनाक युद्ध क्षेत्र माना जाएगा।’’ क्षेत्र खाली करने का यह आदेश ऐसे समय में आया है जब इजराइल ने गाजा में युद्ध तेज कर दिया है।

एमनेस्टी इंटरनेशनल को रूस ने प्रतिबंधित किया

मास्को/एपी। रूसी अधिकारियों ने सोमवार को अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार समूह एमनेस्टी इंटरनेशनल को ‘अवांछनीय संगठन’ करार देते हुए इसे प्रतिबंधित कर दिया। एमनेस्टी इंटरनेशनल को ‘अवांछनीय संगठन’ के रूप में घोषित करने का फैसला 2015 के कानून के तहत लिया गया है, जिसके तहत ऐसे संगठनों के साथ भागीदारी अपराध है।

भारत ने मालदीव के साथ 13 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए

माले/भाषा। भारत ने मालदीव के साथ 13 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं। इनमें 10 करोड़ मालदीव रुपए के अनुदान से नौका सेवाओं को बढ़ाने, समुद्री संपर्क का विस्तार करने और सामुदायिक आजीविका को बढ़ाने वाली परियोजनाएं शामिल हैं। इन समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर रविवार को हस्ताक्षर किए गए, जो भारतीय अनुदान सहायता योजना- उच्च प्रभाव सामुदायिक विकास परियोजना (एचआईसीडीपी) चरण-3 के तहत लागू की जाने वाली परियोजनाओं के लिए हैं।

सूर्यास्त 20-05-2025 6:28 बजे | सूर्योदय 21-05-2025 5:42 बजे

BSE	NSE
82,059.42	24,945.45
(-271.17)	(-74.35)

सोना	चांदी
9,890 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	109,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

शस्त्र-दौड़

हम क्रेता प्रबल आयुधों के,
है सबल हमारा शस्त्रागार।
हिंसक फिर ना होगा कैसे,
जन-मन का नैतिक व्यवहार।
दुश्मन को भयभीत करें हम,
वो भी करते रहते वार।
धर्म अहिंसा सिर्फ किताबी,
कड़वा सच कर लें स्वीकार।।

कहर

बेंगलूरु में रविवार और सोमवार की दरम्यान आई तेज बारिश के कारण बेंगलूरु में सभी तरफ पानी पानी हो गया है। कई निचले इलाके जल मग्न हो गए। शहर के साई लेआउट में बारिश की पानी में फंसी एक कार को निकालते हुए लोग। वहीं सोमवार को बारिश के कारण एक आईटी कंपनी की दीवार गिरने से 35 वर्षीय महिला की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि मृतका की पहचान निजी क्षेत्र की कर्मचारी शशिकला (35) के रूप में हुई है।

उत्तर भारत में सक्रिय जासूसी नेटवर्क मामले में

पंजाब, हरियाणा और उप्र से अब तक 12 जासूस गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ पुलिस की अब तक की जांच में पता चला है कि आरोपी पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों को संवेदनशील जानकारी कथित तौर पर दे रहे थे।

नई दिल्ली/भाषा। पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश से पिछले दो सप्ताह में कम से कम 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें एक यूट्यूब पर वीडियो डालने वाली महिला भी शामिल है। पुलिस जांच में सामने आया है कि ये सभी लोग उत्तर भारत में सक्रिय एक पाकिस्तानी जासूसी नेटवर्क का हिस्सा थे। इनमें से छह लोग पंजाब से, चार हरियाणा से और एक-एक उत्तर प्रदेश के रामपुर तथा नूंह (हरियाणा) से पकड़े गए हैं। गिरफ्तार लोगों में दो महिलाएं भी हैं, जो नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग में तैनात अधिकारी एहसान-उर-रहीम उर्फ दानिश के संपर्क में थीं। भारत ने 13 मई को इस पाकिस्तानी अधिकारी को निष्कासित कर दिया।

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ, उनके डिजिटल उपकरणों की फॉरेंसिक जांच और उनके पैसों के लेन-देन की भी जांच की जा रही है।

पंजाब में अमृतसर के फलकशेर मसीह और सूरज मसीह को सेना और सीमा सुरक्षा बल से जुड़ी संवेदनशील जानकारी पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी को भेजने के आरोप में पकड़ा गया। वहीं मलेरकोटला से गुजाला और यामीन मोहम्मद को सेना की जानकारी साझा करने और उसके बदले ऑनलाइन पैसा लेने के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

गुजाला ने पूछताछ में माना कि उसने पाकिस्तानी अधिकारी को सेना की गतिविधियों से जुड़ी जानकारी भेजी थी, और इसके बदले उसे कुल 30,000 रुपए दो बार में मिले थे। एक बार 10,000 रुपए और दूसरी बार 20,000 रुपए। पंजाब पुलिस के महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि 15 मई को मिली सूचना के आधार पर सुखप्रीत सिंह और करणबीर सिंह को आईएसआई के साथ ‘ऑपरेशन सिंदूर’ से जुड़ी गोपनीय जानकारी साझा करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

हरियाणा के पानीपत से 24 वर्षीय नोमान इलाही और कैथल जिले से 25 वर्षीय देवेंद्र सिंह को भी पकड़ा गया। सिंह पिछले वर्ष पाकिस्तान तीर्थयात्रा पर गया था और वहीं जासूसों के संपर्क में आया। हरियाणा के हिसार से ‘ट्रैवल विद जो’ नामक यूट्यूब चैनल चलाने वाली ज्योति मल्होत्रा को भी गिरफ्तार किया गया। उनके यूट्यूब पर 3.77 लाख ग्राहक और सोशल मीडिया पर 1.33 लाख अनुयायी हैं। पुलिस का कहना है कि वह भी दानिश के संपर्क में थी और कई बार पाकिस्तान गई थी।

उन पर भारतीय सेना से जुड़ी संवेदनशील जानकारी साझा करने और सोशल मीडिया के माध्यम से पाकिस्तान का पक्ष दिखाने का आरोप है। उन्हें पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया है। पुलिस का कहना है कि ज्योति के पाकिस्तान और चीन यात्राओं और उनके पैसों के लेन-देन की जांच की जा रही है।

हरियाणा के नूंह जिले से अरमान नामक व्यक्ति को भी पाकिस्तान उच्चायोग के संपर्क में रहकर सेना की जानकारी साझा करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

उत्तर प्रदेश के रामपुर से विशेष कार्य बल (विशेष टास्क बल) ने टांडा कस्बे से शहजाद नामक युवक को गिरफ्तार किया। वह सीमा पार तस्करी और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करने के आरोप में पकड़ा गया। पुलिस के अनुसार, इन सभी की गतिविधियाँ भारत की सुरक्षा के लिए खतरा थीं और इनसे जुड़े मामलों की गहराई से जांच की जा रही है।

साइबर अपराधियों को जल्दी पकड़ने में नई ‘ई-जीरो’ प्राथमिकी से मदद मिलेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि गृह मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) ने साइबर अपराधियों को जल्दी पकड़ने के लिए नई ‘ई-जीरो’ प्राथमिकी योजना शुरू की है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली के लिए प्रायोगिक परियोजना के रूप में शुरू की गई यह नई प्रणाली राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) और हेल्पलाइन नंबर 1930 पर दर्ज साइबर वित्तीय अपराधों को स्वचालित रूप से प्राथमिकी में बदल देगी। शाह ने कहा कि शुरुआत में 10 लाख रुपये की सीमा से ऊपर के मामले में ऐसा होगा। मंत्री ने कहा कि इस पहल को जल्द ही पूरे देश में लागू किया जाएगा।

एक आधिकारिक बयान में बताया गया कि हाल की एक समीक्षा बैठक में गृह मंत्री शाह ने साइबर वित्तीय अपराधों के पीड़ितों को गंवाए हुए धन को वापस हासिल करने में आने वाली कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए इस पहल को लागू करने के निर्देश दिए थे।

शाह ने ‘एक्स’ पर एक पोस्ट में कहा, दिल्ली के लिए एक प्रायोगिक परियोजना के रूप में शुरू की गयी यह नई प्रणाली एनसीपीआर या 1930 पर दर्ज साइबर वित्तीय अपराधों को स्वतः प्राथमिकी में परिवर्तित करेगा, शुरू में यह 10 लाख रुपये से ऊपर की सीमा के लिए होगा।

नई प्रणाली से जांच में तेजी आएगी, जिससे साइबर अपराधियों पर सख्ती हो सकेगी, जल्द ही इसका विस्तार पूरे देश में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार साइबर-सुरक्षित भारत बनाने के लिए साइबर सुरक्षा ढांचे को मजबूत कर रही है।

यूको बैंक के पूर्व सीएमडी गोयल गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने यूको बैंक के पूर्व मुख्य प्रबंध निदेशक (सीएमडी) सुबोध कुमार गोयल को कोलकाता की एक कंपनी से जुड़े 6,200 करोड़ रुपए से अधिक के कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में धन शोधन के आरोप में गिरफ्तार किया है। जांच एजेंसी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

गोयल को ‘कॉनकास्ट स्टील एंड पावर लिमिटेड’ (सीएसपीएल) और अन्य के खिलाफ जांच के मामले में 16 मई को यहां उनके आवास से गिरफ्तार किया गया था।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि

न्यायाधीशों पर मुकदमा चलाने के लिए पूर्व मंजूरी के फैसले पर पुनर्विचार का समय आ गया है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को कहा कि उच्चतम न्यायालय के उस फैसले पर पुनर्विचार करने का समय आ गया है, जिसमें कहा गया था कि शीर्ष अदालत और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए पूर्व मंजूरी की आवश्यकता होगी। उन्होंने उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा से जुड़े कथित नकदी बरामदगी मामले में प्राथमिकी दर्ज करने में देरी पर भी सवाल उठाया।

धनखड़ ने मामले की जांच कर रही तीन न्यायाधीशों की आंतरिक समिति द्वारा गवाहों से इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त करने के कदम को भी ‘‘गंभीर मुद्दा’’ बताया। उन्होंने कहा, ‘‘यह एक गंभीर मुद्दा है। ऐसा कैसे किया जा सकता है?’’

मामले में वैज्ञानिक आपराधिक जांच की आवश्यकता पर बल देते हुए धनखड़ ने कहा कि देश में हर कोई सोच रहा है कि क्या यह मामला दब जाएगा, क्या यह समय के साथ ठंडे बस्ते में चला जाएगा।

एक पुस्तक के विमोचन समारोह को संबोधित करते हुए, धनखड़ ने कहा कि के. वीरास्वामी फैसले पर ‘‘पुनर्विचार करने का समय आ गया है।’’

कर्नल सोफिया पर टिप्पणी के लिए

शीर्ष अदालत ने मध्यप्रदेश के मंत्री को फटकार लगाई, एसआईटी जांच के आदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने मध्यप्रदेश के मंत्री विजय शाह को सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ की गई उनकी असभ्य टिप्पणी के लिए सोमवार को फटकार लगाई और उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी की जांच के लिए तीन सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने मंत्री की माफी को खारिज कर दिया और कहा कि यह केवल कानूनी नतीजों से बचने की कोशिश है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा, ‘‘इन टिप्पणियों के कारण पूरा देश शर्मसार है... हमने आपके वीडियो देखे, आप बहुत घटिया भाषा का इस्तेमाल करने वाले थे, लेकिन किसी तरह से आपकी समझ कुछ काम कर गई या आपको शब्द नहीं मिले। आपको शर्म आनी चाहिए। पूरा देश हमारी सेना पर गर्व करता है और आपने ऐसा बयान दिया।’’

मंत्री की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मनिंदर सिंह और विभा दत्त मखीजा ने दलील दी कि उन्होंने सचमुच खेद व्यक्त किया है और वह दोबारा ऐसा करने के लिए तैयार हैं।

पीठ ने कहा वह माफी क्या है। आपने जो माफी मांगी है वो कहां है? क्या हम आपको वीडियो दिखाएं कि किस तरह की माफ़ी मांगी गई... ’माफी’ शब्द का कुछ मतलब होता है।’’

पीठ ने सिंह से कहा, कभी-कभी लोग बहुत विनम्र भाषा का इस्तेमाल करते हैं और कानूनी परिणामों से बचने के लिए वे बहुत ही कृत्रिम प्रकार की माफी मांगते हैं और कभी-कभी लोग मगरमच्छ के आंसू भी बहाते हैं। इसलिए, आपका मामला किस श्रेणी में आता है। हम जानना चाहेंगे।

वक्फ मामले की सुनवाई आज

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय, वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर मंगलवार को सुनवाई करेगा और वह इस मामले में अंतरिम आदेश पारित कर सकता है। प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने 15 मई को सुनवाई 20 मई तक टालते हुए कहा था कि वह ‘वक्फ बाई यूजर’ या ‘वक्फ बाई डीड’ द्वारा वक्फ घोषित संपत्तियों को गैर-अधिसूचित करने के अधिकार सहित तीन मुद्दों पर अंतरिम निर्देश पारित करने के लिए दलीलें सुनेगी। दूसरा मुद्दा, राज्य वक्फ बोर्ड और केंद्रीय वक्फ परिषद की संरचना से संबंधित याचिकाओं में उठाया गया, जिनमें उनकी दलील है कि पदेन सदस्यों के अलावा केवल मुसलमानों को इसका संचालन करना चाहिए।

बिटकॉइन कारोबार पर केंद्र ‘स्पष्ट’ नीति लेकर क्यों नहीं आती?

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को केंद्र सरकार से पूछा कि अर्थव्यवस्था पर क्रिप्टोकरेंसी के प्रभाव को देखते हुए इसके विनियमन के लिए ‘स्पष्ट’ नीति क्यों नहीं बनाई जा सकती है।

न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने क्रिप्टोकरेंसी (आभासी मुद्रा) बिटकॉइन में कारोबार को ‘हवाला’ कारोबार की ही तरह अवैध व्यापार करार दिया। पीठ ने केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से कहा, ‘‘केंद्र क्रिप्टोकरेंसी को विनियमित करने के लिए स्पष्ट नीति क्यों नहीं बनाता? इसका एक अवैध बाजार है और यह अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकता है।

परमाणु ऊर्जा अधिनियम, परमाणु दायित्व अधिनियम में संशोधनों पर विचार कर रही सरकार

नई दिल्ली/भाषा। सरकार परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को नियंत्रित करने वाले कानूनों में संशोधन पर विचार कर रही है। वह साल 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा के उत्पादन का लक्ष्य हासिल करने के लिये निजी क्षेत्र को भागीदारी की अनुमति देने के वास्ते ऐसा करना चाहती है।

सरकारी सूत्रों ने कहा कि निजी क्षेत्र को भागीदारी की अनुमति देने के लिए परमाणु ऊर्जा अधिनियम में और परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के निर्माण के लिए उपकरणों के आपूर्तिकर्ताओं पर जवाबदेही सीमित करने के लिए परमाणु क्षति के लिए नागरिक दायित्व अधिनियम में संशोधन पर विचार किया जा रहा है।

सरकार नियामक सुधारों पर भी विचार कर रही है और भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र (इनस्पेस) के मॉडल का मूल्यांकन कर रही है, जो अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए प्रवर्तक और नियामक के रूप में कार्य करता है, जिसे 2020 में निजी भागीदारी के लिए खोल दिया गया था।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को खोलने की घोषणा की, जिसे अब तक सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों तक सीमित रखा गया था। भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम लिमिटेड देश भर में परमाणु ऊर्जा संयंत्रों का संचालन करता है, जो देश में 8.7 गीगावाट बिजली का योगदान करते हैं।

सीतारमण ने 20,000 करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर (एसएमआर) के अनुसंधान और विकास के लिए परमाणु ऊर्जा मिशन की और 2033 तक पांच स्वदेशी रूप से विकसित एसएमआर को चालू करने की भी घोषणा की थी।

रूस-यूक्रेन में युद्धविराम की आस के बीच ट्रंप और पुतिन ने दो घंटे से अधिक समय तक बातचीत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/एपी। रूस-यूक्रेन में युद्धविराम की दिशा में प्रगति की आस के बीच सोमवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने दो घंटे से अधिक समय तक फोन पर बातचीत की।

इससे पहले दिन में, व्हाइट हाउस ने कहा था कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस युद्ध की स्थिति को लेकर ‘निराश’ हैं और उन्होंने यूक्रेन-रूस के बीच युद्धविराम की दिशा में प्रगति की आस के साथ पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ अलग-अलग बात करने की योजना बनायी है।

पुतिन ने इस कॉल के बाद कहा कि मॉस्को यूक्रेन में लड़ाई को समाप्त करने की दिशा में काम करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि रूस एक ‘‘शांतिपूर्ण समझौते’’ के पक्ष में है और दोनों पक्षों के अनुकूल समझौता करने की आवश्यकता होगी।

पुतिन ने ट्रंप के साथ बातचीत को ‘‘स्पष्ट और सार्थक’’ भी बताया। हालांकि, व्हाइट हाउस ने दोनों नेताओं के बीच बातचीत का विवरण तत्काल साझा नहीं किया है।

गुजरात के मंत्री का एक और बेटा 71 करोड़ रुपए के मनरेगा घोटाले में गिरफ्तार

दाहोद (गुजरात)/भाषा। गुजरात के मंत्री बच्चूभाई खाबड़ के बेटे किरण को 71 करोड़ रुपए के मनरेगा घोटाले के सिलसिले में पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस मामले में किरण के बड़े भाई बलवंत को भी गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस उपाधीक्षक और मामले के जांच अधिकारी (आईओ) जगदीशसिंह भंडारी ने सोमवार को बताया कि किरण के साथ तीन और लोगों को गिरफ्तार किया गया है, और इसके साथ ही मामले में गिरफ्तार किये गए लोगों की कुल संख्या 11 हो गई है।

पूर्व में गिरफ्तार किये गए सात लोगों में मंत्री का बड़ा बेटा बलवंत भी शामिल है।

भंडारी ने बताया, ''सोमवार को पुलिस ने मंत्री के छोटे बेटे किरण और दो सहायक कार्यक्रम पदाधिकारियों (एपीओ) को गिरफ्तार किया।'' किरण पूर्व तालुका विकास अधिकारी है। पुलिस के अनुसार, आरोपी धोखाधड़ी की एक योजना में शामिल थे, जिसमें कई अनुबंधित एजेंसियों ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत आवंटित कार्य को पूरा किये बिना या आवश्यक सामग्री की आपूर्ति किये बिना सरकार से भुगतान प्राप्त किया। मामले की जांच जारी है।

शीर्ष अदालत ने निर्णयों के क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद के लिए महत्वपूर्ण पहल की: न्यायमूर्ति ओका

ठाणे/भाषा। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति अभय ओका ने कहा है कि शीर्ष अदालत ने मूल रूप से अंग्रेजी में दिए गए अपने निर्णयों के प्रमुख क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद की महत्वपूर्ण पहल शुरू की है, जिसका उद्देश्य नागरिकों के लिए न्याय को और अधिक सुलभ बनाना है। ठाणे में विद्या प्रसारक मंडल के टीएमसी लॉ कॉलेज के स्नातक समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाषण देते हुए न्यायमूर्ति ओका ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में हजारों न्यायिक निर्णयों का देश की कई भाषाओं में अनुवाद किया गया है।

टीएमसी लॉ कॉलेज की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में उनके हवाले से कहा गया, पिछले 30 वर्षों से महाराष्ट्र में जिला अदालत तक में मराठी में काम किया जा रहा है।

न्यायमूर्ति ओका ने कहा कि नई प्रौद्योगिकी ने कानूनी अध्ययन में क्रांति ला दी है। उन्होंने कहा, आज उपलब्ध सुविधाओं के साथ, कानून का अध्ययन करना, शोध करना, इसका अर्थ समझना और कम समय में कई निर्णयों को समझना बहुत आसान हो गया है। छात्रों को इनका प्रभावी ढंग से उपयोग करना चाहिए।

इस अवसर पर बोलते हुए विद्या प्रसारक मंडल के अध्यक्ष डॉ. विजय बेडेकर ने मराठी में कानूनी संसाधनों की आवश्यकता पर बल दिया।

भारत का विनिर्माण क्षेत्र वैश्विक निवेशकों के लिए अधिक आकर्षक: एसएंडपी अध्ययन

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने अपने विनिर्माण क्षेत्र को वैश्विक निवेशकों के लिए अधिक आकर्षक बनाने में उल्लेखनीय प्रगति की है। एसएंडपी ग्लोबल के एक अध्ययन में सोमवार को यह बात कही गई। इसके मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय व्यापार नीति में चल रहे बदलावों से भारत को लंबे समय में लाभ होगा।

एसएंडपी ग्लोबल इंडिया के इस अध्ययन में कहा गया कि अर्थव्यवस्थाओं द्वारा खुद को बदलते व्यापार के हिसाब से ढालने और शुल्क चुनौतियों के अनुकूल होने के साथ भारत विनिर्माण बढ़ाने और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला एकीकरण के लिए इस मौके का फायदा उठा सकता है। इस अध्ययन का शीर्षक 'इंडिया फॉरवर्ड: ट्रांसफॉर्मेटिव पर्सपेक्टिव्स' है। इसमें कहा गया कि स्थानीय स्तर पर काम कराने, अंतिम बाजारों से निकटता और बढ़े हुए क्षेत्रीय एकीकरण के चलते इस क्षेत्र में अतिरिक्त निवेश आना चाहिए, जिससे भारत की तकनीकी उन्नति और विनिर्माण प्रतिस्पर्धा में तेजी आएगी। अध्ययन के मुताबिक, इस दौरान विनिर्माण क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता वाले रोजगार के अवसर तैयार होंगे। अध्ययन में कहा गया, ''आगे चलकर वैश्विक व्यापार नीति में बदलाव से आपूर्ति श्रृंखला विविधीकरण को बढ़ावा मिलेगा, जो भारत के लिए लाभकारी होगा।''

केंद्र को 31 अक्टूबर तक रिपोर्ट उपलब्ध कराएगा 16वां वित्त आयोग : पनगढ़िया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। सोलहवें वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढ़िया ने सोमवार को कहा कि वित्त आयोग ने इस वर्ष 31 अक्टूबर तक अपनी रिपोर्ट केंद्र सरकार को उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा है ।

यह बात पनगढ़िया ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साथ आयोग की यहां हुई एक बैठक में कही ।

पनगढ़िया ने विकास के मोर्चे पर तेजी से आगे बढ़ने के लिए उत्तराखंड की सराहना की और कहा कि विषम भौगोलिक परिस्थितियों के दृष्टिगत उत्तराखंड समेत अन्य पर्वतीय राज्यों के समक्ष आ रही चुनौतियों के समाधान के लिए व्यापक स्तर

पर विचार-विमर्श किया जायेगा ।

इससे पहले बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रदेश की वित्तीय परिस्थितियों, चुनौतियों एवं विकास आवश्यकताओं पर विस्तार से अपना पक्ष रखा । उन्होंने वित्त आयोग से उत्तराखंड की 'ईको सर्विस लागत' को देखते हुए 'पर्यावरण संघवाद' की भावना के अनुरूप उपयुक्त क्षतिपूर्ति देने, 'कर-हस्तांतरण' में वन आच्छादन को निर्धारित भार को 20 प्रतिशत तक बढ़ाने तथा राज्य में वनों के उचित प्रबंधन और संरक्षण के लिए विशेष अनुदान पर विचार करने का अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले 25 वर्षों में उत्तराखंड ने अन्य क्षेत्रों की भांति वित्तीय प्रबंधन के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति की है।

उन्होंने कहा कि राज्य के बजट का आकार एक लाख करोड़ रुपए को पार कर गया है जबकि नीति आयोग द्वारा जारी वर्ष 2023-24 की एसडीजी इंडेक्स रिपोर्ट में उत्तराखंड सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने वाले राज्यों में देश का अग्रणी राज्य बनकर उभरा है।

उच्च न्यायालय के सभी न्यायाधीश पूर्ण पेंशन के हकदार: उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा कि अतिरिक्त न्यायाधीशों सहित उच्च न्यायालय के सभी न्यायाधीश पूर्ण पेंशन और सेवानिवृत्ति लाभ के हकदार होंगे। शीर्ष अदालत ने कहा कि उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीशों को पेंशन के रूप में प्रति वर्ष 15 लाख रुपए मिलेंगे।

प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि पेंशन देने से इनकार करना संविधान के अनुच्छेद 14 के तहत समानता के अधिकार का उल्लंघन होगा। पीठ ने कहा कि सभी को पूर्ण पेंशन दी जाएगी, चाहे उनकी नियुक्ति कभी ही हुई हो और चाहे वे अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में सेवानिवृत्त हुए हों या बाद में स्थायी किए गए हों। नियुक्ति के समय के आधार पर या पद के आधार पर न्यायाधीशों के बीच भेदभाव करना इस मौलिक अधिकार का उल्लंघन है। प्रधान न्यायाधीश ने फैसला सुनाते हुए कहा कि उच्च न्यायालय के ऐसे अतिरिक्त न्यायाधीश जो अब जीवित नहीं हैं, के परिवार भी स्थायी न्यायाधीशों के परिवारों के समान पेंशन और सेवानिवृत्ति लाभ के हकदार हैं। पीठ ने कहा कि उसने संविधान के अनुच्छेद 200 पर गौर किया है जो उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीशों को देय पेंशन से संबंधित है।

दो-तीन जिलों में प्रभाव रखने वाला नेता हिमाचल प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष होना चाहिए: विक्रमादित्य सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि कांग्रेस की प्रदेश इकाई का अगल अध्यक्ष ''कद्दावर नेता'' होना चाहिए जिसका कम से कम दो से तीन जिलों में प्रभाव हो। प्रदेश के छह बार मुख्यमंत्री रह चुके वीरभद्र सिंह के बेटे विक्रमादित्य ने कहा कि यह कांग्रेस आलाकमान का फैसला होगा कि उनकी मां प्रतिभा सिंह पार्टी की प्रदेश अध्यक्ष बनी रहेंगी या नया अध्यक्ष नियुक्त किया जाएगा।

शिमला में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि नया अध्यक्ष कद्दावर नेता होना चाहिए जिसका कम से कम दो से तीन जिलों (12 में से) में प्रभाव हो जो लोगों से जुड़ सके और पार्टी को मजबूत कर सके। पीडब्ल्यूडी मंत्री ने कहा कि वह कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष की जल्द नियुक्ति के लिए कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व से बात करेंगे। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने छह नवंबर 2024 को हिमाचल प्रदेश में प्रदेश कांग्रेस कमेटी को

जिला एवं ब्लॉक इकाइयों सहित तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया था। हालांकि, प्रतिभा सिंह पार्टी की प्रदेश इकाई की प्रमुख के रूप में अपने पद पर बनी रहीं। बताया जा रहा है कि कांग्रेस नेताओं का एक वर्ग राज्य सरकार के कामकाज से नाखुश है। इसके अलावा, हाल में बिलासपुर में हुई एक बैठक में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पिछले छह माह से पार्टी संगठन की गैर मौजूदगी का मुद्दा उठाया था। सिंह ने भारत के साथ सैन्य संघर्ष के दौरान पाकिस्तान का समर्थन करने के लिए तुर्किये के व्यापार और पर्यटन बहिष्कार पर भी बात की।

न्यायालय ने प्रदूषण नियंत्रण समिति में रिक्तियों को लेकर दिल्ली सरकार को फटकार लगाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति में रिक्त पदों को लेकर दिल्ली सरकार को फटकार लगाई और उसे इस साल सितंबर तक सभी पदों को भरने का निर्देश दिया।

न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने कहा कि कुल 204 रिक्तियों में से अभी तक केवल 83 ही भरी गई हैं।

पीठ ने कहा, ''हम दिल्ली सरकार की ढिलाई को बर्दाश्त नहीं कर सकते, खासकर उस स्थिति में जब दिल्ली वायु प्रदूषण से सबसे ज्यादा प्रभावित है। हम राज्य को यह सुनिश्चित करने का निर्देश देते हैं कि सितंबर 2025 तक सभी 204 रिक्तियां भर दी जाएं। पंद्रह अक्टूबर तक हलफनामा दाखिल किया जाए। यदि सभी रिक्तियां नहीं भरी गईं, तो यह घोर अवमानना का मामला होगा।''

शीर्ष अदालत ने दिल्ली सरकार को अग्रिम रिक्तियों को भरने की प्रक्रिया छह महीने पहले शुरू करने का भी निर्देश दिया।

सुनवाई के दौरान दिल्ली सरकार की ओर से पेश वकील ने छह महीने का समय मांगा और साल के अंत तक पदों को भरने का आश्वासन दिया।

हालांकि, अदालत ने पूछा, ''साल के अंत में क्यों? बोर्ड का गठन सरकार करती है। सरकार यह नहीं कह सकती कि वह पदों को भरने के लिये छह महीने का समय लेगी। हलफनामे में यह भी नहीं लिखा है कि प्रक्रिया कब शुरू होगी। विज्ञापन कब प्रकाशित होगा, आदि।''

शीर्ष अदालत ने इसे दुखद स्थिति बताते हुए दिल्ली और उसके पड़ोसी राज्यों हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान की सरकारों को उनके प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में रिक्तियों को न भरने के लिए 8 मई को फटकार लगाई।

सिंगापुर के बाजार में उतरी मिंत्रा, भारतीय प्रवासियों पर नजर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। फैशन और जीवनशैली उत्पादों से जुड़ी ई-कॉमर्स कंपनी मिंत्रा ने सोमवार को सिंगापुर में उतरने की घोषणा की।

मिंत्रा ने बयान में कहा कि कंपनी ने सिंगापुर में लगभग 6.5 लाख प्रवासी भारतीयों को लक्ष्य करके यह कदम उठाया है। इसका मकसद व्यापक वृद्धि रणनीति के तहत नए ग्राहक खंडों तक पहुंचना और आने वाले वर्षों में मजबूत अंतरराष्ट्रीय ब्रांड संबंध बनाना है। मिंत्रा की मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नंदिता सिन्हा ने कहा कि सिंगापुर से लगभग 30,000 उपयोगकर्ता पहले ही इसके मौजूदा मंच पर आते हैं। उन्होंने कहा, ''हमने सिंगापुर में मिंत्रा ग्लोबल पेश किया है, जिसका मकसद भारतीय फैशन को दुनिया के सामने पेश करना है। हम भारत में बने ब्रांड को ग्राहकों तक पहुंचा रहे हैं, जो प्रवासी भारतीयों की जरूरतों को पूरा करते हैं।''

मिंत्रा ग्लोबल की वेबसाइट पर 100 से अधिक भारतीय ब्रांड को प्रदर्शित किया जाएगा, जो परिधान, जूते, घर और सहायक उपकरण जैसी श्रेणियों में फैले हैं।

मिंत्रा ग्लोबल पर दिए गए ऑर्डर भारत से भेजे जाएंगे और औसतन 4-7 दिन के भीतर उपभोक्ताओं तक पहुंच जाएंगे।

पहलगाम हमले के बाद भारत-पाक युद्ध में भूमिका के लिए इंदिरा गांधी को याद किया गया : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने सोमवार को कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध और बांग्लादेश के निर्माण में उनकी भूमिका के लिए याद किया गया।

रेड्डी ने 'इंदिरा सोलर गिरि जल विकासम' कार्यक्रम की शुरुआत के बाद नागरकुरनूल जिले के एक गांव में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि इंदिरा गांधी को उनकी गरीब कल्याण योजनाओं के कारण उनके शासन के 50 वर्ष बाद भी दूरदराज के क्षेत्रों में भी याद किया जाता है। उन्होंने कहा, ''पहलगाम और भारत-पाकिस्तान संघर्ष के बाद... (ऐसा महसूस होता है कि) देश की रक्षा के लिए प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी जैसी होनी चाहिए। (उन्होंने) पाक से युद्ध लड़ा और पाकिस्तान के टुकड़े कर दिए। एक बांग्लादेश है और दूसरा पाकिस्तान। इंदिराम्मा ने 54 साल पहले यह साबित कर दिया था।'' रेड्डी ने यह भी कहा कि सरकार अचम्पेट विधानसभा क्षेत्र में मुफ्त में सौर ऊर्जा पंपसेट उपलब्ध कराएगी।

आतंकवाद पर भारत के वैश्विक संपर्क प्रयासों में स्थानीय स्तर की राजनीति न लाएं: पवार ने राउत से कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने सोमवार को संजय राउत को एक तरह से आड़े हाथों लेते हुए उन्हें भारत के वैश्विक संपर्क प्रयासों में ''स्थानीय स्तर की राजनीति'' नहीं लाने की सलाह दी। दरअसल शिवसेना (उबाठा) नेता संजय राउत ने एक दिन पहले विभिन्न देशों में प्रतिनिधिमंडल भेजने के केंद्र के कदम का बहिष्कार करने का आह्वान किया था।

पवार ने याद दिलाया कि वह पूर्व प्रधानमंत्री पी वी नरसिम्हा राव द्वारा भाजपा नेता अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में संयुक्त राष्ट्र में भेजे गए प्रतिनिधिमंडल के सदस्य थे। पूर्व रक्षा मंत्री ने बारामती में संवाददाताओं से कहा, '' जब अंतरराष्ट्रीय मुद्दे सामने आते हैं तो पार्टी स्तर की राजनीति नहीं करनी चाहिए। आज केंद्र ने कुछ प्रतिनिधिमंडल गठित किए हैं और उन्हें कुछ देशों में जाकर पहलगाम हमले पर भारत के रुख और उसके बाद पाकिस्तान की ओर से की गई गतिविधियों के बारे में जानकारी देने का काम सौंपा गया है।''

दरअसल राउत ने रविवार को कहा था कि विपक्षी गुट 'इंडिया' के घटक दलों को विभिन्न देशों में

सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजने के केंद्र सरकार के कदम का बहिष्कार करना चाहिए। राउत ने दावा किया कि वे सरकार के ''पापों और अपराधों'' का बचाव करेंगे।

पवार ने कहा कि राउत को अपनी राय रखने का अधिकार है। उन्होंने कहा, ''लेकिन उनकी पार्टी (शिवसेना-उबाठा) का एक सदस्य प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा है। मुझे लगता है कि स्थानीय स्तर की राजनीति को इस मुद्दे में नहीं लाया जाना चाहिए।'' महाराष्ट्र में विपक्षी दल महा विकास आघाडी (एमवीए) में शिवसेना (उबाठा), कांग्रेस और शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) शामिल हैं। राकांपा (एसपी) की कार्यकारी अध्यक्ष और बारामती से सांसद सुप्रिया सुले ऐसे एक प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा हैं जिसमें उनके साथ शिवसेना (उबाठा) की नेता प्रियंका चतुर्वेदी हैं। प्रस्तावित पुरंदर हवाई अड्डे के लिए कुछ किसानों द्वारा अपनी जमीन देने से इनकार किए जाने के बारे में पूछे जाने पर पवार ने कहा कि वह क्षेत्र के स्थानीय प्रतिनिधियों की बैठक बुलाकर इस मुद्दे को सुलझाने का प्रयास करेंगे।

वोडाफोन, एयरटेल, टाटा टेलीसर्विसेज की एजीआर बकाया माफी की याचिका न्यायालय ने खारिज की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को दूरसंचार कंपनियों वोडाफोन, एयरटेल और टाटा टेलीसर्विसेज की समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) बकाया माफ करने की याचिका खारिज कर दी। न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा कि याचिकाओं को गलत तरीके से तैयार किया गया है।

पीठ ने वोडाफोन की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी से कहा, ''हम इन याचिकाओं से वाकई हैरान हैं जो हमारे सामने आई हैं। एक बहुराष्ट्रीय कंपनी से इसकी उम्मीद नहीं की जाती। हम इसे खारिज करेंगे।'' न्यायालय ने दूरसंचार कंपनियों की मदद करने की सरकार की इच्छा के रास्ते में आने से इनकार किया। रोहतगी ने सोमवार को सुनवाई की शुरुआत में जुलाई तक स्थगन की मांग की। जब अदालत ने इसका कारण पूछा, तो उन्होंने कहा कि वह इस बात की संभावनाएं तलाश रहे हैं कि क्या अदालत को परेशान किए बिना कुछ समाधान खोजा जा सकता है। पीठ ने कहा, ''अगर सरकार आपकी मदद करना चाहती है, तो उन्हें करने दीजिए। हम बीच में नहीं आ रहे हैं। लेकिन इसे (याचिका को) खारिज किया जाता है।'' रोहतगी ने कहा कि केंद्र ने जुलाई, 2021 के उच्चतम न्यायालय के फैसले के कारण मदद देने में असमर्थता जताई है। दूरसंचार कंपनियों ने एजीआर बकाया की गणना में गलती की बात कहकर इसे ठीक करने की मांग की थी, लेकिन न्यायालय ने 23 जुलाई, 2021 को उनकी याचिकाओं को खारिज कर दिया था। वोडाफोन ने एजीआर बकाया के ब्याज, जुर्माने और जुर्माने पर ब्याज के रूप में करीब 30,000 करोड़ रुपए की छूट मांगी है।

हिमाचल प्रदेश:

बिलासपुर के जालपा माता मंदिर से लाखों रुपए के आभूषण और सामान चोरी

बिलासपुर/भाषा। हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले के एक गांव में मंदिर से लाखों रुपए के आभूषण और सामान चोरी हो गए। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि चोरी रविवार रात बिलासपुर स्थित एम्स के पास संगीर्थी गांव के जालपा माता मंदिर में हुई। पुलिस के मुताबिक, सोमवार सुबह जब पुजारी मंदिर पहुंचे तो ताले टूटे हुए मिले।

पुलिस ने बताया कि चोरों ने मूर्ति पर लगे सोने के झुमके, चांदी का छत्र, सोने की आंखें, चांदी का मुकुट, टीका, सोने का हार चुरा लिया। चोरों ने दान पेटी और सीसीटीवी फुटेज वाला कंप्यूटर भी चुरा लिया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव चौधरी ने बताया कि चोरी का मामला दर्ज कर सदर थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। जालपा माता जिले के हजारों लोगों की कुल देवी हैं और रोजाना सैकड़ों श्रद्धालु दर्शन के लिए मंदिर आते हैं।

छह गीगाहर्ट्ज बैंड का एक हिस्सा लाइसेंस-मुक्त करने का नियमों का मसौदा जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने घर के भीतर (इनडोर) इस्तेमाल के लिए छह गीगाहर्ट्ज बैंड का एक हिस्सा लाइसेंस मुक्त करने के लिए नियमों का मसौदा नियम जारी कर दिया हैं जिससे वाई-फाई ब्रॉडबैंड क्षेत्र को लाभ होने की उम्मीद है।

दूरसंचार विभाग की तरफ से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि ये नियम 5925-6425 मेगाहर्ट्ज बैंड में लागू होंगे। अधिसूचना में कुछ तकनीकी मापदंड तय करते हुए कहा गया है कि इस स्पेक्ट्रम बैंड में संचालित रेडियो लोकल एरिया नेटवर्क समेत किसी भी वायरलेस उपकरण को स्थापित करने, बनाए रखने, काम करने के लिए किसी प्राधिकार या आवृत्ति आवंटन की जरूरत नहीं होगी। कम पावर वाले इनडोर उपकरणों को हस्तक्षेप से बचने के लिए पावर आउटपुट को 30 डीबीएम पर सीमित करने का प्रस्ताव है। इसमें परिचालन को लेकर कुछ प्रतिबंध भी बताए गए हैं। इसके मुताबिक, भूमि वाहनों (कार, ट्रेन) और नावों, विमानों (10,000 फुट से नीचे) पर इनडोर इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है। ड्रोन और मानव-रहित हवाई प्रणालियों के साथ संचार और नियंत्रण भी निषिद्ध है।

आईटीयू-एपीटी फाउंडेशन ऑफ इंडिया (आईएएफआई) ने छह गीगाहर्ट्ज बैंड के निचले 500 मेगाहर्ट्ज को लाइसेंस मुक्त करने के निर्णय को 'दूरदर्शी' बताते हुए कहा कि इससे कम शक्ति और बहुत कम शक्ति वाले वायरलेस एक्सेस सिस्टम द्वारा इस स्पेक्ट्रम का लाइसेंस के बगैर इस्तेमाल का रास्ता खुलता है। आईएएफआई के अध्यक्ष भारत भाटिया ने कहा, ''सरकार का यह साहसिक कदम भारत के डिजिटल भविष्य के लिए रुख बदलने वाला है। इस फैसले से भारत छह गीगाहर्ट्ज बैंड खोल चुके 100 से अधिक देशों के समूह में शामिल हो गया है।''

पूर्व सैनिकों के बजाय युवाओं को स्टेटिक गार्ड के काम में लगायें मुख्यमंत्री : महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर/भाषा। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर सरकार से महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों पर सुरक्षा ड्यूटी के लिए नए रंगरूटों के बजाय 4,000 पूर्व सैनिकों को नियुक्त करने के अपने फैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को लिखे पत्र में उन्होंने कहा कि यह विषय इस केंद्र शासित प्रदेश में बढ़ती बेरोजगारी को मद्देनजर उठाया गया है। महबूबा मुफ्ती ने पत्र में कहा, ''मैं जम्मू-कश्मीर में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा के लिए 4,000 पूर्व सैनिकों को तैनात करने के आपकी सरकार के हालिया फैसले के बारे में अपनी गहरी शंकाओं और चिंताओं को व्यक्त करने के लिए (यह पत्र) लिख रही हूं।'' उन्होंने कहा, ''हम अपने पूर्व सैनिकों की सेवा और अनुशासन को महत्व देते हैं, लेकिन यह कदम गंभीर सवाल खड़ा करता है, खासकर इसलिए क्योंकि यह ऐसे समय में आया है जब लाखों

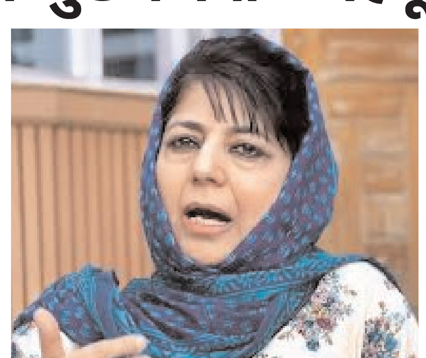

शिक्षित लेकिन बेरोजगार युवा जम्मू-कश्मीर में रोजगार के अवसर के लिए संघर्ष कर रहे हैं।'' उन्होंने लिखा है,''गार्ड ड्यूटी के लिए सैन्य विशेषज्ञता की आवश्यकता नहीं होती है और इसे प्रशिक्षित स्थानीय युवाओं द्वारा बहुत अच्छी तरह से किया जा सकता है, जिनके लिए ऐसी नौकरी महत्वपूर्ण जीवन रेखा हो सकती है।'' जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने कहा कि चूंकि इनमें से कई पूर्व सैनिक पहले से ही पेंशन प्राप्त कर रहे हैं, इसलिए बेरोजगार युवाओं की तुलना में उन्हें प्राथमिकता देने से युवकों में अलग-थलग कर दिये जाने की भावना बढ़ने का जोखिम है। उन्होंने कहा कि फलस्वरूप सरकार विश्वास और जुड़ाव स्थापित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर भी खो देगी। उन्होंने कहा, ''इसके अलावा, इस नीति को अल्पकालिक सुरक्षा समाधान के रूप में देखा जा सकता है, जो दीर्घकालिक सामाजिक और आर्थिक स्थिरता का समाधान करने में विफल रहता है। स्थानीय युवाओं को ऐसी भूमिकाओं में शामिल करने से न केवल रोजगार पैदा होगा, बल्कि सार्वजनिक सुरक्षा बनाये रखने में जिम्मेदारी, समावेशन और भागीदारी की भावना भी बढ़ेगी, जो क्षेत्र में शांति-स्थापना का एक आवश्यक स्तंभ है।''

पुलिस ने 155 करोड़ रु. की धोखाधड़ी का खुलासा किया, 4 गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। नागपुर पुलिस ने 155 करोड़ रुपए की एक बड़ी धोखाधड़ी का खुलासा किया है, जिसमें कारोबारियों के एक गिरोह ने लोगों की असली पहचान का गलत इस्तेमाल कर फर्जी कंपनियां बनाईं और हवाला के जरिए काले धन का लेन-देन किया। इस मामले में अब तक चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने कहा कि धोखाधड़ी का दायरा और बड़ा हो सकता है, क्योंकि आरोपियों ने 50-60 फर्जी कंपनियां बनाई थीं, जिनके माध्यम से संदिग्ध लेन-देन किए गए। आरोपियों ने विभिन्न राज्यों के जरूरतमंद लोगों की पहचान का दुरुपयोग किया, जिससे उनका नाम बिना जानकारी के इस्तेमाल हुआ।

चौंकाने वाली बात यह है कि आरोपियों ने आपराधिक गतिविधियों के लिए विभिन्न राज्यों के जरूरतमंद लोगों की वास्तविक पहचान का इस्तेमाल किया।

कथित तौर पर अगस्त 2024 से जारी इस धोखाधड़ी का खुलासा तब हुआ जब एक पीड़ित ने पुलिस से संपर्क किया, जिसकी पहचान का इस्तेमाल फर्जी कंपनी पंजीकृत कराने के लिए किया गया था।

भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत लकड़गंज पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई।

अपराध शाखा के अधिकारियों ने प्रारंभिक जांच शुरू की, जिससे आरोपों की पुष्टि हुई और बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी का खुलासा हुआ।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान बंटी साहू, जयेश साहू, ऋषि लखानी और बृजकिशोर मनिहार के रूप में हुई है।

तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में हुई भारी बारिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई और उपनगरों सहित तमिलनाडु के कई हिस्सों में मध्यम और कुछ स्थानों पर भारी बारिश हुई, जिससे निवासियों को गर्मी से राहत मिली। बंगाल की खाड़ी के ऊपर, ऊपरी हवा के परिसंचरण के कारण चेन्नई, तिरुवल्लूर, कांचीपुरम, चेंगलपट्टू, उलुन्थुरपेट, मयिलादुथुराई और कुछ अन्य जिलों में रात में बारिश हुयी जिससे तापमान में गिरावट आई। सोमवार सुबह फिर बारिश होने के कारण कार्यालय जाने वाले लोगों को परेशानी हुई।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार दक्षिण अरब सागर, मालदीव और कोमोरिन क्षेत्र के कुछ हिस्सों, दक्षिण बंगाल की खाड़ी, मध्य बंगाल की खाड़ी और उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में अगले दो से तीन दिन के दौरान दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियां हैं। आईएमडी के चेन्नई केंद्र की प्रमुख बी. अमुधा ने कहा, इससे तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल क्षेत्र में बारिश होगी।

दक्षिण-पश्चिमी मानसून पर अद्यतन जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर चक्रवाती परिसंचरण के कारण अगले दो दिन तक तमिलनाडु में बारिश होगी। दक्षिण-पश्चिम मानसून आमतौर पर जून के पहले सप्ताह में आता है। तमिलनाडु पेयजल और कृषि उद्देश्यों के लिए पानी की जरूरतों को पूरा करने के लिए काफी हद तक उत्तर-पूर्वी मानसून पर निर्भर है।

अमुधा ने पत्रकारों को बताया कि एक मार्च से 19 मई तक तमिलनाडु और पुडुचेरी में मानसून से पहले की बारिश 192.7 मिलीमीटर दर्ज की गई, जो सामान्य बारिश 101.4 मिमी से 90 प्रतिशत अधिक है। एक सूत्र ने बताया कि कल्लकुरिची जिले के शंकरपुरम में लगातार दो दिन से हो रही बारिश के कारण करीब 500 एकड़ में लगी धान की फसल जलमग्न हो गई है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने आज तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल इलाकों में गरज और बिजली चमकने के साथ कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान जताया है। आईएमडी ने बताया कि मंगलवार को तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल इलाके में एक या दो स्थानों पर 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और गरज तथा बिजली चमकने के साथ कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है। आईएमडी ने 24 मई तक नीलगिरि, कोयंबटूर, तिरुपुर, डिंडीगुल, थेनी, इरोड, कृष्णागिरि, धर्मपुरी, तिरुपत्तूर, वेल्लोर, सेलम, करूर, नमक्कल, तिरुचिरापल्ली जिलों और अन्य हिस्सों में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश का अनुमान जताया है।

आईएमडी ने जारी किया 'यलो अलर्ट'

बेंगलूरु। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के बेंगलूरु केंद्र के निदेशक एन. पुवियारसु ने कहा कि बेंगलूरु सहित कर्नाटक के कुछ इलाकों के लिए 18 मई को जारी किया गया 'यलो अलर्ट' सोमवार और मंगलवार के लिए भी प्रभावी रहेगा। निदेशक ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि विभाग वायु परिसंचरण की वर्तमान स्थिति का अध्ययन कर रहा है और बाद में मौसम की अद्यतन जानाकारी जारी करेगा।

पुवियारासु ने कहा, ''चक्रवाती हवाओं की वर्तमान स्थिति के अनुसार, कर्नाटक में, विशेषकर तटीय भागों में भारी वर्षा होगी। अगले दो दिनों तक बेंगलूरु में भी भारी बारिश होने की संभावना है।'' बेंगलूरु में रविवार को भारी बारिश हुई, जिसके कारण कई निचले इलाके जलमग्न हो गए। आईएमडी ने चेतावनी दी है कि 'यलो अलर्ट' के बीच कुछ क्षेत्रों में अस्थायी रूप से बिजली आपूर्ति बाधित हो सकती है, यातायात में मामूली बाधा आ सकती है और कमजोर पेड़ एवं शाखाएं उखड़ सकती हैं।

मौसम विभाग देश में मौसम संबंधी अलर्ट जारी करने के लिए चार रंगों का उपयोग करता है। ये रंग और इनके संदेश.... ग्रीन (किसी कार्रवाई की जरूरत नहीं), येलो (नजर रखें और निगरानी करते रहें), ऑरेंज (तैयार रहें) और रेड (कार्रवाई/सहायता की जरूरत) हैं।

आईएमडी ने रविवार को बेंगलूरु सहित कर्नाटक के 23 जिलों में बृहस्पतिवार तक भारी बारिश को लेकर 'यलो अलर्ट' जारी किया। अलर्ट के तहत गरज के साथ मध्यम से भारी बारिश होन, बिजली चमकने और 50 से 60 किमी प्रतिघंटा की गति से तेज़ हवाएं चलने की चेतावनी दी गई है। पूरे सप्ताह बादलों की गरज के साथ तेज बारिश के आसार हैं। प्रभावित जिलों में बेंगलूरु शहरी, बेंगलूरु ग्रामीण, कोलार, चिक्कबल्लापुरा, तुमकुरु, मंड्या, मैसूरु, हासन, कोडागु, बेलगावी, बीदर, रायचूर, यादगीर, दावणगेरे और चित्रदुर्ग शामिल हैं। आईएमडी द्वारा सोमवार सुबह जारी अलर्ट के अनुसार, दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के अलावा आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों पर ऊपरी हवा में चक्रवाती परिसंचरण के वजह से मौसम में यह परिवर्तन हुआ है। इसके साथ ही तेलंगाना से उत्तरी तमिलनाडु तक कम दबाव वाली पट्टी बनी हुई है, जो महत्वपूर्ण नमी खींच रही है और पूरे दक्षिण भारत में तेज बारिश की वजह भी यही है।

अन्नाद्रमुक प्रमुख ने द्रमुक नेता पर छात्रा का यौन शोषण करने का प्रयास करने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। ऑल इंडिया अन्नाद्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) महासचिव ई. के. पलानीस्वामी ने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की युवा शाखा के एक पदाधिकारी द्वारा कॉलेज छात्रा का कथित तौर पर यौन शोषण करने का प्रयास करने की खबर सामने आने के बाद सोमवार को इस घटना पर आश्चर्य व्यक्त किया और उचित कार्रवाई नहीं होने पर बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन की चेतावनी दी।

पलानीस्वामी ने दावा किया कि पुलिस ने तभी प्राथमिकी दर्ज की, जब लड़की ने अरक्कोणम से अन्नाद्रमुक के विधायक एस रवि से हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में पलानीस्वामी ने इस ''खबर'' पर हैरानी जताई कि रानीपेट जिले के अरक्कोणम में द्रमुक युवा शाखा के एक पदाधिकारी ने सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं को यौन शोषण के लिए एक युवती को उपलब्ध कराने की कोशिश की।

पोलाची यौन उत्पीड़न मामले (जिसमें आरोपियों के कथित तौर पर अन्नाद्रमुक से संबंध थे) पर मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन के बार-बार दोहराए गए बयानों की ओर इशारा करते हुए अन्नाद्रमुक प्रमुख ने कहा, ''क्या आप पोलाची मामले और इस मामले के बीच अंतर जानते हैं? मैंने ईमानदारी से पोलाची मामले की जांच सीबीआई (केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो) को सौंप दी थी। हालांकि, आप (द्रमुक शासन) अरक्कोणम मामले को कमजोर करने के लिए सब कुछ कर रहे हैं।''

साल 2019 के पोलाची मामले में पुरुषों का एक गिरोह महिलाओं को झूठी दोस्ती में फंसाकर उनका 'यौन शोषण और ब्लैकमेल' करता था। इस मामले की जांच का जिम्मा तत्कालीन अन्नाद्रमुक सरकार ने सीबीआई को सौंपा था। मामले के नौ दोषियों में अन्नाद्रमुक के पूर्व नेता के. थिरुनावुकारसु का नाम भी शामिल था। मामले में नाम सामने आने के बाद पार्टी ने उसे निकाल दिया था। पीड़िताओं में अधिकतर कॉलेज छात्राएं थीं।

पलानीस्वामी ने जानना चाहा कि क्या राज्य सरकार द्रमुक के उस पदाधिकारी के खिलाफ कार्रवाई करेगी, जो 20 वर्षीय युवती का यौन उत्पीड़न करना चाहता है। अन्नाद्रमुक प्रमुख ने कहा कि अगर कार्रवाई नहीं की गई, तो उनकी पार्टी लोगों के समर्थन से बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन करेगी।

स्टालिन को विभाजनकारी राजनीति को खत्म करना चाहिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु भारतीय जनतापार्टी के प्रवक्ता एएनएस प्रसाद ने मुख्यमंत्री से सवाल किया है कि मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन को यह पहचानना चाहिए कि न केवल तमिलनाडु राज्य सरकार बल्कि केंद्र सरकार भी लोगों द्वारा चुनी गई सरकार है। 8 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया कि राज्यपाल और राष्ट्रपति द्वारा राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों पर निर्णय लेने के लिए एक समय सीमा तय की जानी चाहिए। इस संबंध में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 14 सवाल उठाए हैं और सुप्रीम कोर्ट से स्पष्टीकरण मांगा है। इसके जवाब में मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने अपनी निंदा व्यक्त की है और आठ विपक्षी शासित राज्यों- पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना, केरल, झारखंड, पंजाब और जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखा है। राष्ट्रपति के पारंपरिक अधिकार का अनादर करने वाले एक राजनीतिक रूप से प्रेरित कदम में, उनका पत्र विभाजनकारी राजनीति का प्रकटीकरण दर्शाता है और भारतीय संविधान के विपरीत है।

स्टालिन ने पत्र में लिखा है कि हमें राष्ट्रपति द्वारा भेजे गए नोट का सामूहिक रूप से विरोध करना चाहिए, जिन्होंने सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष प्रश्न उठाए हैं। हमें न्यायालय के समक्ष एक संयुक्त कानूनी रणनीति प्रस्तुत करनी चाहिए तथा अपनी राजनीतिक व्यवस्था के मूल ढांचे की रक्षा के लिए कार्य करना चाहिए। मैं उपर्युक्त राज्यों के मुख्यमंत्रियों के तत्काल तथा व्यक्तिगत हस्तक्षेप की आशा करता हूँ। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ ने कल मुंबई में बोलते हुए कहा कि न्यायपालिका, विधायिका तथा कार्यपालिका लोकतंत्र के तीन समान स्तंभ हैं। मुख्यमंत्री स्टालिन को इससे बेहतर कोई जवाब नहीं हो सकता। स्टालिन ने सवाल उठाया कि एक मनोनीत राज्यपाल एक निर्वाचित राज्य सरकार से ऊपर कैसे कार्य कर सकता है। हालाँकि, राज्यपाल कोई निजी व्यक्ति नहीं है; वह केंद्र सरकार का प्रतिनिधि है, जिसे जनता द्वारा चुना जाता है। जिस प्रकार नियुक्त मुख्य सचिव द्वारा लिए गए निर्णय राज्य सरकार के निर्णय माने जाते हैं, उसी प्रकार नियुक्त राज्यपाल द्वारा लिए गए निर्णय निर्वाचित केंद्र सरकार की इच्छा का प्रतिनिधित्व करते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली 10 साल की कांग्रेस-डीएमके गठबंधन सरकार के दौरान नियुक्त राज्यपाल के हस्तक्षेप को व्यक्तिगत रूप से अनुभव किया है। इसलिए, प्रधानमंत्री मोदी किसी भी राज्य सरकार को बाधित करने के लिए राज्यपालों का उपयोग करने का समर्थन नहीं करेंगे। कांग्रेस शासित राज्यों में भी राज्यपालों और मुख्यमंत्रियों के बीच कोई टकराव नहीं होता है। यदि इस तरह के टकराव केवल डीएमके शासन वाले तमिलनाडु में होते हैं, तो यह डीएमके सरकार की अतिशयता और हर मुद्दे पर केंद्र सरकार को चुनौती देने की उसकी अहंकारी प्रवृत्ति के कारण होता है। प्रसाद ने कहा कि मुख्यमंत्री स्टालिन को यह समझना चाहिए कि न केवल राज्य सरकार बल्कि केंद्र सरकार भी लोगों द्वारा चुनी जाती है। तभी इस मुद्दे को सुलझाया जा सकता है। जहां तक भाजपा का सवाल है, हम संविधान और सर्वोच्च न्यायालय का किसी और से ज्यादा सम्मान करते हैं। पत्र लिखने जैसी राजनीतिक नौटंकी करने के बजाय, मुख्यमंत्री स्टालिन को लोगों के कल्याण के लिए केंद्र सरकार के साथ सहयोग करना चाहिए।

दलित महिला ने पुलिस पर झूठे मामले में हिरासत में लेकर उत्पीड़न का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। तिरुवनंतपुरम में 39 वर्षीय दलित महिला ने पुलिस पर आरोप लगाया है कि उसे ''चोरी के झूठे मामले में'' हिरासत में लेने के बाद गंभीर मानसिक यातना दी गई और उसका उत्पीड़न किया गया। महिला ने मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) पर भी निष्क्रियता का आरोप लगाया है। महिला ने दावा किया कि उसके खिलाफ चोरी का मामला दर्ज किया गया जो बाद में झूठा साबित हुआ।

घरेलू सहायिका के तौर पर काम करने वाली आर बिंदु ने कहा कि जिस घर में वह काम करती थी, उसकी मालकिन ने सोने की चेन चोरी होने के मामले में उसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी जिसके बाद उसे हिरासत में लिया गया। महिला ने सोमवार को यहां टेलीविजन चैनलों से बात करते हुए आरोप लगाया कि उसने एक वकील की मदद से इस संबंध में मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव पी. शशि को शिकायत सौंपी लेकिन उन्होंने इसे पढ़ने की भी जहमत नहीं उठाई और उससे अदालत जाने को कहा।

विपक्षी कांग्रेस ने दलित महिला के आरोपों को लेकर मुख्यमंत्री कार्यालय की आलोचना की और पेरूरक्काडा थाने के दोषी पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई किए जाने की मांग की। बिंदु के अनुसार, 23 अप्रैल की शाम को पेरूरक्काडा थाने से उसे फोन आया और उसे जल्द से जल्द थाने पहुंचने के लिए कहा गया। थाने में घर की मालकिन और उसकी बेटी मौजूद थीं। बिंदु ने कहा कि पुलिस ने उससे उनकी चेन वापस देने को कहा। महिला ने कहा, ''मैंने उनसे हजार बार कहा कि मैंने चेन नहीं चुराई लेकिन उन्होंने मुझ पर भरोसा नहीं किया। एक महिला पुलिस अधिकारी मुझे एक कमरे में ले गई और उसने मेरा 'टॉप' उतारकर मेरी तलाशी ली। फिर मुझे मेरे घर ले जाया गया जहां उन्होंने तलाशी ली। मुझे अपने परिवार से फोन पर भी बात नहीं करने दी गई।''

बिंदु ने कहा कि उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उसे पूरी रात थाने में रखा गया और अगले दिन तड़के भी उससे पूछताछ की गई। महिला ने कहा, मुझे खाना या पानी नहीं दिया गया... सोने नहीं दिया गया। जब मैंने पीने का पानी मांगा तो एक पुलिस अधिकारी ने मुझे शौचालय में जाकर पानी पीने को कहा। उन्होंने लगातार आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया और यहां तक कि चोरी का अपराध कबूल न करने पर मेरी किशोर बेटियों को पुलिस मामले में फंसाने की धमकी दी। उसने कहा कि अगली सुबह घर की मालकिन और उनकी बेटी फिर से पुलिस थाने पहुंचीं और कुछ देर तक क्षेत्र निरीक्षक से बातचीत की। बिंदु ने कहा, बाद में उन्होंने मुझे बताया कि मुझे माफ कर दिया गया है। पुलिस ने मुझसे कहा कि मैं घर जा सकती हूं क्योंकि घर मालकिन को कोई शिकायत नहीं है...लेकिन बाद में एक पुलिसकर्मी ने मेरे पति को बताया कि घर मालकिन को गायब हुई सोने की चेन अपने घर से ही मिल गई। बिंदु ने सीएमओ के अलावा राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और राज्य अजा/अजजा (एससी/एसटी) आयोग में भी शिकायत दर्ज कराई।

तिरंगा यात्रा

बेंगलूरु। यहां बागलूर रोड के रेवा सर्कल पर निकाली गई तिरंगा यात्रा में मुख्य आकर्षण का केन्द्र बीएसएफ के नागराज द्वारा बनाए गए राफेल और तेजस के मॉडल रहे जिन्हें आर आनंद और उनके सहयोगियों ने कार्यक्रम स्थल पर लाया था। तिरंगा यात्रा में अनेक लोगों ने भाग लिया। भाजपा राज्य कार्यदर्शी तिम्मेश गौड़ा, ओबीसी घटक के अध्यक्ष मुनिस्वामी ओडियार, उपाध्यक्ष आर. आनंद ने मॉडल बनाने वाले नागराज का स्वागत किया।

मैसूरु राजपरिवार की सदस्य ने तिरुपति मंदिर को दान किए चांदी के अखंडम

मैसूरु/तिरुपति। मैसूरु राजपरिवार की सदस्य प्रमोदा देवी ने सोमवार को तिरुपति में भगवान वेंकटेश्वर मंदिर में चांदी के दो विशाल अखंडम दान किए। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने यह जानकारी दी। टीटीडी की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि प्रत्येक अखंडम का वजन लगभग 50 किलोग्राम है। अखंडम पारंपरिक विशाल दीप हैं जो गर्भगृह के अंदर जलाए जाते हैं। प्रमोदा देवी ने मंदिर निकाय के अध्यक्ष बीआर नायडू और अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी वेंकैया चौधरी की उपस्थिति में तिरुमाला मंदिर के रंगनायकूला मंडपम में अखंडम सौंपे। टीटीडी के अनुसार, 300 साल पहले मैसूरु के राजा ने भी अखंडम दान किए थे।

उच्चतम न्यायालय ने कर्नाटक के भाजपा एमएलसी के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही पर रोक लगाई

बेंगलूरु/नईदिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कर्नाटक की बेलगावी विधान परिषद में मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी करने के मामले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) सी.टी. रवि के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही पर सोमवार को रोक लगा दी। रवि के खिलाफ दिसंबर 2024 में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 75 (यौन उत्पीड़न) और 79 (महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाना) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति राजेश बिंदल की पीठ ने रवि की पैरवी कर रहे वकील की दलीलें सुनने के बाद कार्यवाही पर रोक लगा दी। भाजपा नेता ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें उनके खिलाफ शुरू की गई आपराधिक कार्यवाही को रद्द करने की उनकी याचिका को खारिज कर दिया गया था। इस महीने की शुरुआत में, उच्च न्यायालय ने कहा था कि यदि कथित टिप्पणी या इशारा वास्तव में शिकायतकर्ता 'जो एक महिला है' के लिए किया गया था, तो इसे उनकी गरिमा को ठेस पहुंचाने के रूप में देखा जा सकता है। शीर्ष अदालत ने अंतरिम आदेश में रवि के खिलाफ कार्यवाही पर रोक लगा दी और उनकी याचिका पर राज्य सरकार से जवाब भी मांगा। रवि के वकील ने दलील दी कि चूंकि 19 दिसंबर 2024 को विधान परिषद की कार्यवाही के दौरान कथित टिप्पणी की गई थी, इसलिए उनके मुवक्किल को संवैधानिक छूट प्राप्त है। उनकी याचिका में कहा गया है कि सिविल प्रक्रिया संहिता के प्रावधानों के तहत संसदीय सत्रों के दौरान और सत्रों के बाद 40 दिन तक सदस्यों की गिरफ्तारी पर रोक है। रवि को स्थानीय पुलिस ने 19 दिसंबर को बेलगावी में सुवर्ण विधान सौधा के परिसर से गिरफ्तार किया था।

21 मई को पूरे दिन शहर का दौरा होगा : सिद्दरामय्या

बेंगलूरु। आज कुछ स्थानों का दौरा किया गया, क्योंकि यह महसूस किया गया कि शाम के समय भारी यातायात के कारण लोगों को असुविधा होगी। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा कि कल पूरा दिन उपमुख्यमंत्रियों और बेंगलूरु के विधायकों के साथ शहर का दौरा करने में व्यतीत होगा। उन्होंने आज वर्षा से क्षतिग्रस्त क्षेत्रों का दौरा किया और बाद में मीडिया से बात की।

संवेदनशील क्षेत्रों का दौरा किया जाएगा और लोगों की चिंताओं को सुना जाएगा। उन्होंने कहा कि वे अधिकारियों के कार्यों की समीक्षा करेंगे तथा आवश्यक निर्देश देंगे। व्हाइटफील्ड में एक महिला की मौत हो गई और मुख्यमंत्री ने सरकार की ओर से 5 लाख रुपये मुआवजे की घोषणा की। यातायात पुलिस ने 132 स्थानों भीड़भाड़ और जाम वाले स्थानों की पहचान की है। इनमें से 82 कार्य पूरे हो चुके हैं तथा 41 कार्य लंबित हैं। इस वर्ष पूरे बंगलौर शहर की शाही नहरों पर काम शुरू किया गया है। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने बताया कि सिल्क बोर्ड जंक्शन और हेब्बाल जंक्शन के पास भारी बारिश हुई है और रेलवे को पानी की निकासी का रास्ता बनाने का काम सौंपा गया है। जनता को किसी भी प्रकार की असुविधा से बचाने के लिए पेड़ों को हटाया जाता है। पेड़ों को तुरंत हटाने के लिए स्थायी टीमें मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्य जनता को किसी प्रकार की असुविधा पहुंचाए बिना पूरा किया जाएगा। कानून की नजर में सभी लोग एक समान हैं। मुख्यमंत्री ने एक संवाददाता के सवाल के जवाब में कहा कि सरकार अमीर और गरीब के बीच भेदभाव नहीं करती है।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया भारत सरकार का उपक्रम Union Bank of India A Government of India undertaking

क्षेत्रीय कार्यालय - कांचीपुरम
नं. 46 ए, विल्लाकाडी कोइल स्ट्रीट, रंगास्वामी कुलम लाइब्रेरी के सामने, कांचीपुरम-631501

बैंक के हॉलिडे होम के लिए पड्डुचेरी में लीज़ पर परिसर की जरूरत

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (यूबीआई) पुडुचेरी में अपने हॉलिडे होम के लिए 03 पूरी तरह सुसज्जित कमरों को लीज़ के साथ किराए पर लेने का इरादा रखता है, जो तुरंत उपयोग के लिए तैयार हालत में हों। हॉलिडे होम में वे सभी सुख-सुविधाएं होनी चाहिएं, जो सामान्यतः मनोरंजन/आरामदायक प्रवास के लिए अपेक्षित होती हैं।

प्रस्ताव दो भागों में आमंत्रित किए गए हैं, अर्थात तकनीकी बोली और वित्तीय बोली, जो अलग-अलग सीलबंद लिफाफों में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय, कांचीपुरम, नं. 46ए, विल्लाकाडी कोइल स्ट्रीट, रंगास्वामी कुलम लाइब्रेरी के सामने, कांचीपुरम-631501 पर **04.06.2025 को दोपहर 3:00 बजे तक पहुंच जाने चाहिएं और प्रस्तावों का तकनीकी भाग 04.06.2025 को शाम 4:00 बजे खोला जाएगा।**

पूर्ण विवरण, आवेदन प्रारूप और प्रस्ताव जमा कराने के तरीके के लिए, कृपया **बैंक की वेबसाइट www.unionbankofindia.co.in और सरकारी पोर्टल www.eprocure.gov.in पर लॉग ऑन करें या निविदा दस्तावेजों की हार्ड कॉपी यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, पुडुचेरी शाखा, ग्राउंड फ्लोर, सविता प्लाजा, 100 फीट रोड, इंदिरा गांधी की प्रतिमा के पास, पुडुचेरी-605 005 से 20.05.2025 से सुबह 10 बजे से प्राप्त की जा सकती है।**

बैंक बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी बोलियों को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। किसी भी दलाल या बिचौलिए को अनुमति नहीं है।

स्थान : कांचीपुरम
दिनांक : 17.05.2025

ह/-
क्षेत्रीय प्रमुख

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में रेलवे सुविधाओं का हो रहा निरंतर सुदृढ़ीकरण : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रस्तावित बीकानेर यात्रा (22 मई) के तहत मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक ली। उन्होंने अधिकारियों को प्रधानमंत्री की प्रस्तावित यात्रा के तहत सभी आवश्यक व्यवस्थाएं चाक चौबन्द करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग अपनी तय जिम्मेदारियों के अनुसार काम करें तथा आपस में समन्वय स्थापित कर कार्यक्रम का सफल आयोजन सुनिश्चित करें। शर्मा ने कहा कि तेज गर्मी के मद्देनजर आयोजन स्थल पर आमजन के लिए बैठने की व्यवस्था, पेयजल, आवागमन सहित अन्य सभी व्यवस्थाओं का उचित संचालन सुनिश्चित किया जाए, जिससे जनता को किसी भी तरह की असुविधा ना हो। उन्होंने बीकानेर कलक्टर को एयरपोर्ट, हेलीपैड तथा सभा स्थल पर सभी व्यवस्थाओं को समयानुसार पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की प्रस्तावित यात्रा के तहत सुरक्षा व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए गृह विभाग आगंतुकों के लिए सुरक्षा पास, यातायात प्रबंधन जैसी समुचित व्यवस्थाएं करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि संबंधित विभाग व्यवस्थाओं के सुचारू संचालन के लिए अपने-अपने विभाग का नोडल अधिकारी नियुक्त करें। साथ ही, शर्मा ने अधिकारियों को प्रधानमंत्री कार्यालय एवं रेलवे विभाग से आवश्यकतानुसार समन्वय बनाने के निर्देश दिए।

उन्होंने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, पर्यटन, सार्वजनिक निर्माण विभाग, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग एवं संचार विभाग, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग को भी प्रधानमंत्री की प्रस्तावित यात्रा के सफल संचालन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने यात्री सुविधाओं के दृष्टिगत रेलवे स्टेशनों के सुदृढ़ीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।

बीकानेर में प्रस्तावित कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री अमृत भारत देशनोक रेलवे स्टेशन का उद्घाटन, बीकानेर मुंबई एक्सप्रेस टेऋन को हरी झंड़ी तथा देशभर में विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास तथा उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री इस दौरान बीकानेर में विश्व प्रसिद्ध करणी माता मंदिर के दर्शन भी करेंगे। इस दौरान मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी तथा वी.सी. के माध्यम से संबंधित जिलों के अधिकारीगण जुड़े।

ट्रम्प के बयान पर केन्द्र सरकार को अपना रुख करना चाहिए स्पष्ट : अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने कहा है कि अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर को लेकर दिया बयान मायना रखता है और इस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्र सरकार ने अभी तक अपना रुख स्पष्ट नहीं किया हैं, क्या उन्हें किसी तीसरे देश की मध्यस्थता स्वीकार थी। गहलोत ने सोमवार को यहां मीडिया से बातचीत में यह बात कही।

उन्होंने कहा कि देश में चाहे किसी भी दल की सरकार रही हो कभी भी ऐसा नहीं हुआ कि भारत और पाकिस्तान के बीच किसी तीसरे पक्ष की भूमिका रही हो और किसी ने भी हमारे मामलों में हस्तक्षेप नहीं किया, जो भी मुद्दा था उस पर भारत और पाकिस्तान के बीच की बातचीत हुई, चाहे कश्मीर का मुद्दा रहा हो या अन्य मुद्दा। यह पहली बार हुआ है कि अमेरिका के राष्ट्रपति इसमें पंचायती कर रहे हैं और कह रहे हैं कि मैंने सीजफायर करवाया, कश्मीर का मसला भी सुलझाएंगे।

गहलोत ने कहा कि ट्रंप दुनिया के सबसे ताकतवर देश के राष्ट्रपति हैं और उनके कहने के मायने होते हैं लेकिन केन्द्र सरकार ने इस पर चुप्पी साध रखी है। प्रधानमंत्री और केंद्र सरकार ने अभी तक इस पर कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया है कि क्या उन्हें किसी तीसरे देश की मध्यस्थता स्वीकार थी। उन्होंने कहा कि ट्रंप लगातार बयान दे रहे हैं इसको लेकर देश की जनता में भी गांव तक गहरी नाराजगी देखने को मिल रही है लेकिन सरकार समझ नहीं रही है। मोदी सरकार को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि अब केंद्र सरकार और भाजपा डैमेज कंट्रोल के लिए तिरंगा यात्रा निकाल रही है और इसके पीछे भी राजनीति की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष के लोग लगातार सरकार से कह रहे हैं कि अमेरिका राष्ट्रपति जो बार-बार बयान दे रहे हैं, उस पर आपकी क्या राय है।इस पर जवाब देना चाहिए लेकिन सरकार की तरफ से कोई इस पर जवाब नहीं दे रहा है।

कांग्रेस नेता शशि थरूर को सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल करने पर गहलोत ने कहा कि अब इस मामले में पार्टी की राय भी स्पष्ट हो गई है, जिसे जाना है वो जाए।

भाजपा और मोदी सरकार ऐसे संवेदनशील मामलों में भी राजनीति कर रही है और विपक्ष को एक प्रकार से कमजोर करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि जब प्रतिपक्ष के नेता और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जो नाम दिए थे, उनको ही लेना चाहिए।

उन्होंने कहा कि थरूर अच्छे इंसान हैं और कांग्रेस के टिकट पर लगातार चुनाव जीत रहे हैं। उनकी भी जिम्मेदारी बनती है कि अगर उन्हें कोई अप्रोच करता है तो बोलना चाहिए कि पार्टी हाईकमान से इस बारे में बात करनी होगी। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद पूरा विपक्ष एक साथ आ गया है फिर इस तरह की राजनीति नहीं करनी चाहिए।

मोदी की प्रस्तावित यात्रा के मद्देनजर अधिकारियों, कर्मचारियों के अवकाश पर रोक

बीकानेर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 22 मई की प्रस्तावित बीकानेर यात्रा के मद्देनजर जिला कलक्टर नम्रता वृष्णि ने कर्मचारियों अधिकारियों के अवकाश पर रोक लगा दी है। कलक्ट्रेट सभागार में रविवार को आयोजित बैठक के दौरान श्रीमती वृष्णि ने कहा कि प्रधानमंत्री की यात्रा अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे जुड़े सभी अधिकारी पूर्ण गंभीरता से कार्य करें। इसमें किसी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि स्वयं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बीकानेर आकर इसकी पूरी तैयारियां देखी और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके मद्देनजर इसकी गंभीरता को समझना और आदेशों की पूर्ण गंभीरता से पालना करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की यात्रा तक कोई भी कर्मचारी-अधिकारी अवकाश नहीं लेगा और मुख्यालय नहीं छोड़ेगा। प्रत्येक आदेश की अक्षरश: पालना हो। उन्होंने मोदी के प्रस्तावित कार्यक्रमों के अनुरूप अब तक की तैयारियों की समीक्षा की और कहा कि गर्मी के मद्देनजर पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

विपक्ष एकजुटता के समय कर रहा है छिद्रान्वेषण : मदन राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पाली। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा है कि देश के शीर्ष नेतृत्व ने हमारी बहनों के सिंदूर पौछने वालों के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर चलाकर आतंकवादियों को सबक सिखाने का काम किया है। ऐसे में विपक्ष को राष्ट्र के लिए एकजुटता दिखानी चाहिए और उसे ऐसे समय में छिद्रांवेषण नहीं करना चाहिए। राठौड़ ने अपने पाली प्रवास के दौरान पत्रकारों से बातचीत में एक सवाल के जवाब में यह बात कही। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना ने आतंकवादियों पर बड़ा प्रहार किया है। आतंकवादियों के साथ ही आतंकवाद के प्रशिक्षण केंद्र, आतंकवादियों के सरंक्षकों को भी नष्ट करने का काम किया है।

देश के शीर्ष नेतृत्व ने हमारी बहनों के सिंदूर पौछने वालों के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर चलाकर आतंकवादियों को सबक सिखाने का काम किया है। ऐसे में विपक्ष को राष्ट्र के लिए एकजुटता दिखानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जब दो देशों के बीच तनाव की स्थिति हो तब पूरे राष्ट्र को एकजुट होकर सरकार को समर्थन देना चाहिए लेकिन विपक्ष ऐसे समय में भी छिद्रांवेषण की बात कर रहा है। यह किसी भी देश के लिए सही नहीं है। राष्ट्र की नीतियों पर सवाल उठाने वालों ने भी गोपनीयता की शपथ ली है और हमारे शीर्ष नेतृत्व ने भी गोपनीयता की शपथ ली है। ऐसे में विपक्ष को ऐसे सवाल नहीं करने चाहिए। राठौड़ ने तिरंगा यात्रा पर कहा कि आपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद देश में राष्ट्र भक्ति की भावना को ओर अधिक मजबूत करने के लिए तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है। तिरंगा यात्रा गांव चौपाल, मंडल, जिला, संभाग और प्रदेश के साथ देशभर में निकाली जा रही है। तिरंगा यात्रा किसी पार्टी विशेष की ना होकर संपूर्ण देशवासियों एवं आमजन की यात्रा है। प्रदेश में सभी जगहों पर इस यात्रा को भारी समर्थन मिल रहा है और इसमें आमजन बढ चढकर अपनी सहभागिता निभा रहा है।

शोक सभा के दौरान टेंट पर गिरा बिजली का तार, दो की मौत

जयपुर। राजस्थान के बालोतरा जिले में सोमवार सुबह एक शोकसभा के दौरान टेंट पर बिजली का तार टूटकर गिर गया और करंट लगने से दो लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस हादसे में आठ अन्य गंभीर रूप से झुलसे गये हैं। यह घटना बालोतरा जिले में पचपदरा तहसील के उमरलाई गांव में हुई। एक घर में 40 से अधिक ग्रामीण शोक सभा के लिए घर पर एकत्र हुए थे। कल्याणपुर के पूर्व प्रधान हरिसिंह ने संवाददाताओं को बताया,टेंट के ठीक ऊपर से गुजर रही केबल अचानक गिर गई। लोहे के खंभों में करंट दौड़ गया और लोग घबराकर भागने लगे। कम से कम दस लोग करंट की चपेट में आ गए।

रिश्तेदारों और राहगीरों ने घायलों को एंबुलेंस एवं निजी वाहनों से करीब 20 किलोमीटर दूर जिला अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने उमरलाई निवासी अमराराम (70) और कनाना गांव निवासी हरमलराम (35) को मृत घोषित कर दिया। तहसीलदार गोपी किशन पालीवाल ने बताया कि इस घटना में दो लोगों की मौत हो गई है, जबकि आठ अन्य घायल हैं। अस्पताल के अधिकारियों का कहना है कि आठ घायल 30 से 60 प्रतिशत तक जल गए हैं और उनका आईसीयू में इलाज चल रहा है। उनकी हालत स्थिर बताई गई है। ये सभी 25 से 55 वर्ष की आयु के पुरुष हैं।

हमारे लिए जनसेवा ही सर्वोपरि : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. भीमराव आम्बेडकर की अंत्योदय की अवधारणा के अनुरूप 'हमारे लिए जनसेवा' ही सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि जनता की प्रत्येक समस्या का समाधान कर जनकल्याणकारी योजनाओं तक उनकी पहुंच सुनिश्चित करवाना उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर नियमित जनसुनवाई कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार प्रशासन में जवाबदेही एवं पारदर्शिता अपनाते हुए सुशासन के लक्ष्य पर केन्द्रित होकर काम कर रही है।

आधिकारिक प्रवक्ता के अनुसार जनसुनवाई में सैकड़ों की संख्या में परिवादी अपनी समस्या को लेकर आए। मुख्यमंत्री ने प्रत्येक परिवादी की समस्या को सुना तथा अधिकारियों को इनके त्वरित समाधान के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक समस्या का समय से निस्तारण किया जाए, जिससे परिवादी को शीघ्र राहत मिले।

उन्होंने कहा कि अधिकारी यह भी सुनिश्चित करे कि समस्या के समाधान होने पर फरियादी को सूचित किया जाए। शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनता से जुडे. कार्यों में वे पूरी जिम्मेदारी के साथ काम करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि गैर-जिम्मेदार कार्मिकों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर नियमित जनसुनवाई कर रहे थे। जनसुनवाई में सैकड़ों की संख्या में परिवादी अपनी समस्या को लेकर आए। मुख्यमंत्री ने प्रत्येक परिवादी की समस्या को सुना तथा अधिकारियों को इनके त्वरित समाधान के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता एवं त्वरित निर्णयों से आमजन बेहद संतुष्ट नजर आए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक परिवेदना का समय से निस्तारण किया जाए, जिससे परिवादी को शीघ्र राहत मिले। उन्होंने कहा कि अधिकारी यह भी सुनिश्चित करे कि समस्या के समाधान होने पर फरियादी को सूचित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनता से जुडे. कार्यों में अधिकारी पूरी जिम्मेदारी के साथ काम करें। गैर-जिम्मेदार कार्मिकों पर कड़ी कार्रवाही की जाएगी।

कोटा के एमबीएस अस्पताल में लोकसभा अध्यक्ष ने किया दिव्याषा केंद्र का उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को कोटा के एमबीएस अस्पताल परिसर में प्रधानमंत्री दिव्याशा केंद्र का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि यह केंद्र दिव्यांगजनों के आत्मबल, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक नया अध्याय जोड़ेगा। यह केवल उपकरण वितरण का केंद्र नहीं बल्कि दिव्यांगजन के आत्मसम्मान और गरिमा के साथ जीवन जीने का माध्यम बनेगा। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह पहल समाज के सबसे संवेदनशील वर्ग तक विकास और अधिकार की पहुंच सुनिश्चित करने की सोच का सशक्त उदाहरण है। आज देशभर में दिव्यांगजन आत्मबल के साथ अपने पैरों पर खड़े हो रहे हैं, उन्होंने स्वयं देखा है कि कैसे दिव्यांगजन मोटरसाइकिल से कुल्फी, कपड़े आदि बेचते हुए आत्मनिर्भरता की मिसाल बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस परिवर्तन ने समाज की सोच को भी बदला है।

बिरला ने कहा कि यह केन्द्र प्रधानमंत्री मोदी की उस संवेदनशील सोच का सजीव उदाहरण है जिसमें हर नागरिक विशेषकर हमारे दिव्यांगजन और वरिष्ठजन, गरिमा और आत्मसम्मान के साथ जीवन जी सकते हैं। पीएम द्वारा 'विकलांग' के स्थान पर 'दिव्यांग' शब्द को अपनाना केवल भाषाई परिवर्तन नहीं, बल्कि दृष्टिकोण में बदलाव की एक अनूठी पहल है। उन्होंने कहा, ''दिव्याशा केन्द्र की मानवीय और पुनीत पहल के लिए मैं पीएम मोदी को धन्यवाद देता हूं।'' बिरला ने मस्कुलर डिस्ट्रॉफी से पीड़ित बच्चों के इलाज के लिए राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल षर्मा द्वारा मस्कुलर डिस्ट्रॉफी से पीड़ित व्यक्ति को मुख्यमंत्री इलेक्ट्रिक व्हील चेयर योजना के तहत ऑटोमेटेड मोटरसाइकिल उपलब्ध कराने के निर्णय की सराहना करते हुए कहा कि इससे दिव्यांगजनों के जीवन में बड़ा बदलाव आएगा। प्रधानमंत्री दिव्याशा केंद्र में दिव्यांगजनों को दंत प्रत्यारोपण, चश्में, कृत्रिम अंग, कमर व गर्दन के पट्टे, सहायक छड़ियां और अन्य उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे।

विशेष रूप से डिज़ाइन की गई ऐसी छड़ी भी दी जाएगी जो अंधेरे में व्यक्ति की मौजूदगी का संकेत देती है। यह सभी उपकरण दिव्यांगजनों के जीवन को अधिक सुलभ और सक्रिय बनाएंगे। बिरला ने कोटा में 15 करोड़ रू. की लागत से एक आधुनिक दिव्यांगजन पार्क के निर्माण की घोषणा की।

कृषि वैज्ञानिक और अधिकारी देशभर में किसानों से संवाद कर उत्पादकता बढ़ाने के उपाय खोजेंगे : चौहान

जयपुर। केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को सभी राज्यों के कृषि मंत्रियों के साथ 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' की जानकारी देने व तैयारियां सुनिश्चित करने के लिए वीसी का आयोजन किया। वीसी में केन्द्रीय कृषि मंत्री ने बताया कि केन्द्रीय कृषि मंत्रालय, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आई.सी.ए.आर.) और सभी राज्यों के कृषि विभागों के साथ मिलकर आगामी 29 मई से 12 जून तक पूरे देश में 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' चलाएगा । इसके तहत देश के विभिन्न गांवों में किसानों को खरीफ फसलों की उत्पादकता बढ़ाने के बारे में जानकारी दी जायेगी। केन्द्रीय कृषि मंत्री ने ''एक राष्ट्र, एक कृषि और एक टीम'' का नारा देते हुए कहा कि इस अभियान में किसान वैज्ञानिकों से चर्चा करेंगे। इस अभियान का उद्देश्य खेती को अधिकतम लाभप्रद बनाना है। राजस्थान के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने वीसी में सुझाव दिया कि 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' में किसानों को खरीफ फसलों की जानकारी के साथ-साथ उद्यानिकी गतिविधियों की भी जानकारी दी जाये जिससे किसानों की आय बढ़े और उन्हें अधिक विकल्प मिले।

मुख्यमंत्री शर्मा ने राज्यपाल बागड़े से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को यहां राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े से मुलाकात की। राजभवन के प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने मुख्यमंत्री और राज्यपाल की मुलाकात को शिष्टाचार भेंट बताया। प्रवक्ता के अनुसार, मुख्यमंत्री शर्मा ने राजभवन में राज्यपाल बागड़े से मुलाकात की। उन्होंने राजस्थान के सर्वांगीण विकास और उच्च शिक्षा में गुणात्मक सुधार से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की। शर्मा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, आज राजभवन में राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े से शिष्टाचार भेंट कर प्रदेश से जुड़े विभिन्न जनहितकारी विषयों पर चर्चा की।

सैनिकों, गौरव सेनानियों और वीरांगनाओं के लिए आरटीडीसी होटलों में विशेष छूट

जयपुर। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय सेना के सम्मान में देश में तिरंगा यात्रा सहित कई कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है और इसी तरह राजस्थान पर्यटन विकास निगम (आरटीडीसी) ने सराहनीय पहल करते हुए अपने सभी होटलों एवं गेस्ट हाउस में सैनिकों, गौरव सेनानियों एवं वीरांगनाओं के लिए विशेष छूट की घोषणा की है। इसके तहत देश की सेवा में समर्पित रहे सैनिकों एवं गौरव सेनानियों को आरटीडीसी के होटलों और गेस्ट हाउस में ठहरने पर 25 प्रतिशत की छूट दी जाएगी।

प्रचंड गर्मी का कहर, गंगानगर और फलौदी में पारा 46 पार, दिन-रात चल रही है हीट वेव्स

जयपुर। राजस्थान में गर्मी का प्रकोप अपने चरम पर है। दिन के साथ रात के समय भी हीट वेव्स झुलसा रही हैं। प्रदेश में अधिकतम तापमान का स्तर 46 डिग्री को भी पार कर गया है। हालांकि अप्रैल के अंत में प्रदेश का पारा 47 डिग्री को छू गया था। मौसम विभाग का कहना है कि पश्चिमी राजस्थान में अगले 4 से 5 दिनों तक दिन के साथ रात में भी हीट वेव्स चलेंगी। राजधानी जयपुर में भी पारा तेजी से चढ़ रहा है। यहां अधिकतम तापमान 44 डिग्री को पार कर गया है। प्रशासन की तरफ से शहर की सड़कों पर छिड़काव करवाया जा रहा है।

रात्रि के समय भी कई जिलों में पारा 30 डिग्री से अधिक पहुंच गया है। सर्वाधिक न्यूनतम तापमान फलौदी में 316 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। वहीं कई अन्य शहरों में भी न्यूनतम तापमान का स्तर 30 डिग्री से अधिक रहा। बीते 24 घंटों में राजस्थान में गंगानगर सबसे गर्म शहर रहा। यहां अधिकतम तापमान 46.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। प्रदेश के चार अन्य शहरों में भी पारा 45 डिग्री से अधिक रहा। वहीं ज्यादातर शहरों में यह 42 से 45 डिग्री के बीच दर्ज किया गया है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले 24 घंटों में राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्र जोधपुर तथा बीकानेर में धूल भरी हवाएं चलेंगी।

ममता ने तृणमूल सांसद यूसुफ पठान को बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल से बाहर होने के लिए मजबूर किया: भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा ने सोमवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तृणमूल सांसद यूसुफ पठान को बहुदलीय राजनयिक प्रतिनिधिमंडल से बाहर होने के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया और इसे ''दुर्भाग्यपूर्ण'' करार दिया। तृणमूल कांग्रेस के सूत्रों ने बताया कि केंद्र द्वारा प्रतिनिधिमंडल में नामित पठान ने विदेश दौरे से दूर रहने का फैसला किया है, हालांकि पार्टी ने इस बात पर जोर दिया कि वह कूटनीतिक प्रयास का बहिष्कार नहीं कर रही है और केवल यह चाहती है कि उसे अपना प्रतिनिधि चुनने की अनुमति दी जाए।

पठान के नाम की घोषणा जनता दल (यूनाइटेड) के सांसद संजय झा के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल के लिए की गई थी, जो 'ऑपरेशन सिंदूर' पर भारत का संदेश देने के लिए इंडोनेशिया, मलेशिया, दक्षिण कोरिया, जापान और सिंगापुर जाने वाला है। तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पश्चिम बंगाल के भाजपा सह-प्रभारी अमित मालवीय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का तृणमूल सांसद को बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल से हटने के लिए मजबूर करने का फैसला दुर्भाग्यपूर्ण है। भाजपा नेता ने कहा, ''इससे यह संदेश जाता है कि ममता बनर्जी और उनकी पार्टी पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ बोलने को तैयार नहीं हैं।'' उन्होंने कहा, ''आखिरकार, ऐसे क्षण में देश का प्रतिनिधित्व करना राष्ट्रीय गौरव की बात है।''

योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश को 2027 तक बाल श्रम मुक्त बनाने का संकल्प लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार ने बाल श्रम के विरुद्ध निर्णायक अभियान शुरु कर 2027 तक राज्य को बाल श्रम से पूरी तरह मुक्त करने का संकल्प लिया है।

सोमवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार यह लक्ष्य तय करते हुए सरकार ने बहुआयामी योजनाओं को जमीन पर उतार दिया है। जागरूकता से लेकर शिक्षा और पुनर्वास तक, हर स्तर पर ठोस प्रयास किये जा रहे हैं, ताकि बचपन को मजबूरी नहीं, अवसर मिल सके। बयान के मुताबिक, राज्य सरकार ने बाल श्रम की रोकथाम के लिए 12 जून को अंतरराष्ट्रीय बाल श्रम निषेध दिवस के माध्यम से विशेष जागरूकता कार्यक्रम चलाने का निर्णय लिया है। इन कार्यक्रमों के माध्यम से समाज को यह संदेश दिया जाएगा कि बच्चों का स्थान केवल स्कूल में है, श्रम में नहीं। इसके लिए विभिन्न विभागों के माध्यम से समन्वय बनाकर जागरुकता अभियान को धार दी जाएगी।

राज्य सरकार के प्रयासों से 2017-18 से 2024-25 तक 12,426 बाल श्रमिकों का शैक्षिक पुनर्वास कराया गया है, ताकि ये बच्चे फिर से विद्यालय में जाकर एक नई शुरुआत कर सकें। यही नहीं, इन बच्चों के परिवारों को भी सरकार ने अकेला नहीं छोड़ा। ऐसे 1,089 परिवारों को आर्थिक पुनर्वास के जरिए सहायता दी गई है, ताकि वे मजबूरीवश अपने बच्चों से काम न करवाएं। सरकार द्वारा संचालित 'बाल श्रमिक विद्या योजना' के अंतर्गत 2,000 कामकाजी बच्चों को स्कूल में दाखिला दिलाया गया है और उन्हें आर्थिक सहायता भी प्रदान की गई, जिससे उनके पढ़ाई के रास्ते में कोई बाधा न आए। यह योजना न केवल शिक्षा को बढ़ावा देती है, बल्कि सामाजिक दृष्टिकोण को भी बदलने का काम कर रही है।

श्रम कल्याण परिषद के माध्यम से संगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए आठ कल्याणकारी योजनाएं चलायी जा रही हैं। इनके संचालन के लिए सरकार ने 40 करोड़ रुपए की निधि उपलब्ध कराई है। वर्ष 2024-25 में अब तक 309 श्रमिकों को 1.32 करोड़ रुपए की सहायता देकर राहत पहुंचाई जा चुकी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के स्पष्ट निर्देश हैं कि बचपन से बड़ा कोई भविष्य नहीं होता, और बच्चों से बड़ा कोई निवेश नहीं। इसी सोच के तहत सरकार हर बच्चे को बाल श्रम से मुक्त कर शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान की दिशा में अग्रसर कर रही है।

सपा का जन्म ही मुस्लिम तुष्टीकरण के डीएनए के साथ हुआ : उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के 'एक्स' हैंडल पर अपने खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियों की पृष्ठभूमि में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सोमवार को आरोप लगाया कि सपा का जन्म ही 'मुस्लिम तुष्टीकरण के डीएनए' के साथ हुआ है, वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्षी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से सोशल मीडिया हैंडल की गहन समीक्षा करने को कहा।

सपा और उसके मुखिया अखिलेश यादव पर ताजा हमला बोलते हुए उपमुख्यमंत्री पाठक ने आरोप लगाया कि विपक्षी पार्टी का जन्म ही 'मुस्लिम तुष्टीकरण के डीएनए' के साथ हुआ है और अखिलेश यादव की पूरी राजनीति का मूल यही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी समाजवादी पार्टी पर हमला बोला और पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से अपने सोशल मीडिया हैंडल की गहन समीक्षा करने और यह सुनिश्चित करने को कहा कि वहां इस्तेमाल की जाने वाली भाषा शालीन, संयमित और गरिमामय हो। समाजवादी पार्टी के 'एक्स' हैंडल पर पाठक के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी पोस्ट किए जाने के बाद लखनऊ में प्राथमिकी दर्ज की गई। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक लंबी पोस्ट में ब्रजेश पाठक ने कहा कि 'सपा के डीएनए में खराबी' की बात कहने पर सपा प्रमुख उसी तरह आपे से बाहर हो गए जैसे दस साल पहले वह उत्तर प्रदेश की सत्ता से बाहर हो गए थे।

ऑपरेशन सिंदूर पर बयान को लेकर

कांग्रेस ने मोदी, जयशंकर से जवाब मांगा, भाजपा ने किया पलटवार

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के संदर्भ में विदेश मंत्री एस. जयशंकर द्वारा की गई एक कथित टिप्पणी को लेकर सोमवार को कहा कि यह ''पाप'' और ''सिंदूर का सौदा'' है, जिस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा विदेश मंत्री को जवाब देना चाहिए। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि देश को सच जानने का पूरा हक है। वहीं, भाजपा ने राहुल गांधी पर पलटवार करते हुए कहा कि वह तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रहे हैं और पाकिस्तान की भाषा बोल रहे हैं।

कांग्रेस और राहुल गांधी ने जयशंकर के एक बयान का वीडियो साझा करते हुए आरोप लगाया है कि पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकी ठिकानों पर हमलों से पहले, भारत सरकार ने पाकिस्तान को इस बारे में सूचित किया था। हालांकि, विदेश मंत्रालय ने इस तरह के दावों को गलत बताया कि विदेश

मंत्री जयशंकर ने माना था कि भारत ने सात मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू होने से पहले पाकिस्तान को सचेत किया था। राहुल ने पोस्ट किया कि विदेश मंत्री जयशंकर की ''चुप्पी'' न सिर्फ सच बता रही है, बल्कि घातक भी है। इसलिए, मैं फिर से पूछूंगा कि हमने कितने भारतीय विमान गंवा दिए क्योंकि पाकिस्तान को पहले से पता था। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कोई चूक नहीं थी, बल्कि यह एक अपराध है।

इस बीच, भाजपा के अमित मालवीय ने कहा, ''राहुल गांधी की मूर्खता महज आकस्मिक नहीं है, यह भयावह है।

बंगाल शिक्षा विभाग मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन में शिक्षक कम, बाहरी लोग ज्यादा हैं : ममता

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि वह स्थायी बहाली की मांग को लेकर राज्य शिक्षा विभाग मुख्यालय के बाहर शिक्षकों के प्रदर्शन के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन दावा किया कि प्रदर्शन में कई बाहरी लोगों की भागीदारी दिख रही।

उत्तर बंगाल की तीन दिवसीय यात्रा पर रवाना होने से पहले मुख्यमंत्री ने कहा, ''मैं किसी प्रदर्शन के खिलाफ नहीं हूं, लेकिन इसमें एक लक्ष्मण रेखा होती है। मेरा मानना है कि इसमें बाहरी लोग शामिल हैं। शिक्षकों की संख्या कम है, जबकि बाहरी लोग अधिक हैं। जिस तरह मुझे किसी को रोकने का अधिकार नहीं है, उसी तरह किसी को मुझे रोकने का भी अधिकार नहीं है।'' उन्होंने राज्य शिक्षा विभाग मुख्यालय विकास भवन का द्वार तोड़ने और विरोध प्रदर्शन के दौरान लोगों को जबरन भवन के अंदर बंद करने की निंदा की। बनर्जी ने कहा, ''मुझे उनसे सहानुभूति है। मैंने उनसे मुलाकात के दौरान कहा कि हम उच्चतम न्यायालय में समीक्षा याचिका दायर करेंगे। लेकिन मामला विचाराधीन है और हमें कानून का पालन करना चाहिए। अगर न्यायालय याचिका स्वीकार कर लेता है तो यह अच्छा होगा। हमारे वकील उनकी नौकरी बचाने में उनकी मदद करने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे। अगर न्यायालय कोई और फैसला सुनाता है तो हमें उसका पालन करना होगा।''

अगर विजय शाह मेरी पार्टी में होते तो उन्हें हमेशा के लिए निष्कासित कर देता: चिराग

पटना/भाषा। कर्नल सोफिया कुरैशी के बारे में मध्यप्रदेश के मंत्री विजय शाह की टिप्पणी की निंदा करते हुए केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने सोमवार को कहा कि अगर भाजपा नेता उनकी पार्टी में होते तो उन्हें ''जीवन भर के लिए निष्कासित कर दिया जाता।'' लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब दे रहे थे। वह अपने गृह राज्य बिहार के दौरे पर हैं। हाजीपुर से सांसद ने कहा, ''हमें अपने सैन्यकर्मियों पर गर्व है। जो कोई भी उनकी तुलना आतंकवादियों से करता है, वह निंदा का पात्र है। अगर ऐसा कोई व्यक्ति मेरी पार्टी में होता, तो उसे जीवन भर के लिए निष्कासित कर दिया जाता।'' चिराग की पार्टी भाजपा की सहयोगी है। शाह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के बारे में मीडिया को जानकारी देने वाली कर्नल सोफिया कुरैशी को ''आतंकवादियों की बहन'' कहकर विवाद खड़ा कर दिया था। हालांकि, भाजपा ने अभी तक शाह के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है, जो दावा कर रहे हैं कि यह ''जुबान फिसलने'' के कारण हुआ।

पुरी जगन्नाथ मंदिर की जमीन पर अतिक्रमण का प्रयास बर्दाश्त नहीं किया जाएगा: मंदिर पदाधिकारी

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के पुरी में स्थित जगन्नाथ मंदिर के प्रशासन का कहना है कि वह 12वीं सदी के मंदिर की संपत्ति की रक्षा करेगा और मंदिर की भूमि पर अतिक्रमण करने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) ने एक बयान में कहा कि प्रशासन मंदिर के भूमि अभिलेखों का कम्प्यूटरीकरण करेगा और राज्य सरकार की एकरूप नीति और श्री जंगनाथ मंदिर अधिनियम, 1955 के प्रावधानों के अनुसार उनकी सुरक्षा करेगा। मंदिर प्रशासन की यह टिप्पणी उड़ीसा उच्च न्यायालय द्वारा हाल ही में दिए गए एक फैसले के बाद आई है, जिसमें मंदिर की भूमि के हस्तांतरण, पट्टे या दाखिल-खारिज से संबंधित सभी मामलों में राज्य के विधि विभाग और मंदिर अधिकारियों के बीच निर्बाध समन्वय व समय पर संचार की आवश्यकता पर जोर दिया गया था। पुरी में मंदिर श्री जगन्नाथ मंदिर अधिनियम, 1955 के तहत विधि विभाग द्वारा शासित है। यह निर्णय खुर्दा जिले में जटानी के कांटिया मौजा गांव में स्थित पुरी जगन्नाथ मंदिर की 15 एकड़ 'विवादित' भूमि से संबंधित मामले के सिलसिले में था। ओडिशा के महाधिवक्ता पीतांबर आचार्य ने मंदिर के पक्ष में दलील दी और मंदिर प्रशासन के मुख्य प्रशासक अरविंद पाढ़ी भी मंदिर के हितों की रक्षा के लिए अदालत में पेश हुए। अदालत ने अपने आदेश में यह स्पष्ट कर दिया कि मंदिर की भूमि के लेन-देन के संबंध में कोई भी मंजूरी या स्वीकृति तब तक वैध नहीं मानी जाएगी, जब तक कि वह वैधानिक आवश्यकताओं का सख्ती से पालन न करे।

ओडिशा तट पर 'ऑपरेशन ओलिविया' के तहत 6.98 लाख से अधिक ओलिव रिडले कछुए बचाये गये: सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय तटरक्षक बल के वार्षिक मिशन 'ऑपरेशन ओलिविया' के तहत ओडिशा में ऋषिकुल्य नदी के मुहाने पर आकर अंडे देने वाली 6.98 लाख से अधिक ओलिव रिडले (मादा) कछुओं को संरक्षित किया गया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

नवंबर से मई तक प्रतिवर्ष संचालित 'ऑपरेशन ओलिविया' तटरक्षक बल की एक महत्वपूर्ण पहल है जिसका उद्देश्य कछुओं के लिए विशेष रूप से 'गहिरमाथा बीच' और ओडिशा के आसपास के तटीय क्षेत्रों में सुरक्षित पर्यावास का स्थान सुनिश्चित करना है, जहां हर साल आठ लाख से अधिक कछुए आते हैं।

रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''समुद्री संरक्षण को बढ़ावा देते हुए, भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) के वार्षिक मिशन 'ऑपरेशन ओलिविया' ने फरवरी 2025 के दौरान ओडिशा में ऋषिकुल्य नदी के मुहाने पर आकर बसी और अंडा देने वाली 6.98 लाख से अधिक ओलिव रिडले कछुओं को संरक्षण प्रदान करने में मदद की।''

अधिकारियों ने कहा कि ऋषिकुल्य नदी के मुहाने पर सामूहिक तरीके से आकर अंडे देना लुप्तप्राय प्रजातियों की सुरक्षा में तटरक्षक बल के निरंतर प्रयासों का प्रमाण है जिसमें कठोर गश्त, हवाई निगरानी और सामुदायिक सहभागिता शामिल है। उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन ओलिविया' की शुरुआत के बाद से, भारतीय तटरक्षक ने 5,387 से अधिक सतही गश्ती उड़ानें और 1,768 हवाई निगरानी मिशन किए हैं, जिससे अवैध मछली पकड़ने और पर्यावास व्यवधान जैसे खतरों में काफी कमी आई है।

प्रधानमंत्री कांग्रेस को बदनाम करते थे, अब मजबूरन उसकी मदद लेनी पड़ रही है : रमेश

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू का यह दावा ''पूरी तरह झूठा'' है कि सरकार ने विदेश जाने वाले प्रतिनिधिमंडलों के लिए मुख्य विपक्षी दल से 4 नाम नहीं मांगे थे। उन्होंने दावा किया प्रतिनिधिमंडलों के लिए नामों की स्वीकृति नहीं लेकर सरकार ने तुच्छ राजनीति की है और विदेशी दौरों पर कांग्रेस के बारे में बुरा-भला कहने तथा उसे बदनाम करने वाले प्रधानमंत्री अब उसकी मदद ले रहे हैं क्योंकि उनका विमर्श 'पंचर' हो चुका है।

रीजीजू ने एक प्रमुख अंग्रेजी दैनिक से बातचीत में कहा है कि सरकार ने कांग्रेस से चार नाम नहीं मांगे थे, बल्कि प्रतिनिधिमंडलों के संदर्भ में शिष्टाचार के चलते उसे सूचित किया था। इस बारे में पूछे जाने पर रमेश ने कहा, ''यह पूरी तरह झूठ है। रीजीजू झूठ बोल रहे हैं।'' रीजीजू ने 16 मई को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से फोन पर बात की और विदेश जाने वाले प्रतिनिधिमंडलों के लिए चार नाम मांगे।

भाजपा विरोध की हर आवाज से भयभीत : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अशोका यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद की गिरफ्तारी और कुछ हालिया घटनाक्रम का हवाला देते हुए सोमवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विरोध की किसी भी आवाज से भयभीत है। उन्होंने कहा कि भाजपा को यह पता होना चाहिए कि वर्तमान घटनाक्रम की आड़ में वह तानाशाही को बढ़ावा नहीं दे सकती।

खरगे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''कांग्रेस हमारे सशस्त्र बलों, नौकरशाहों, शिक्षाविदों, बुद्धिजीवियों और उनके परिवारों के साथ खड़ी है। मैं किसी भी चरित्र हनन, बदनामी, ट्रोलिंग, उत्पीड़न, किसी भी व्यक्ति की गैरकानूनी गिरफ्तारी और किसी भी व्यावसायिक प्रतिष्ठान में तोड़फोड़ की निंदा करता हूं, चाहे वह 'फ्रिंज एलिमेंट' द्वारा हो या आधिकारिक राज्य मशीनरी के माध्यम से हो।'' उन्होंने कहा कि प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद की गिरफ्तारी से पता चलता है कि भाजपा किसी भी विपरीत राय से कितनी भयभीत है।

अशोका यूनिवर्सिटी के राजनीति विज्ञान विभाग के प्रमुख अली खान महमूदाबाद को 'ऑपरेशन सिंदूर' से संबंधित उनके एक पोस्ट के चलते गिरफ्तार किया गया है। उनके खिलाफ देश की संप्रभुता और अखंडता को खतरे में डालने सहित कड़े आरोपों में दो प्राथमिकी दर्ज की गई है।

पूर्व भाजपा सांसद उदय सिंह को जन सुराज पार्टी का पहला राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया : प्रशांत किशोर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने सोमवार को घोषणा की कि पूर्व भाजपा सांसद उदय सिंह को सर्वसम्मति से पार्टी का पहला राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया है।

किशोर ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अब वह जनसंपर्क पर ध्यान केंद्रित करेंगे तथा संगठन चलाने की जिम्मेदारी उदय सिंह और आरसीपी सिंह जैसे लोगों को सौंपेंगे जो रविवार को पार्टी में शामिल हुए। उन्होंने कहा, ''मैं कल से बिहार में अपनी पदयात्रा फिर से शुरु कर सकता हूं।'' किशोर ने यह भी कहा कि उदय सिंह को इस उद्देश्य के लिए गठित समिति द्वारा ''केवल बहुमत से नहीं, बल्कि सर्वसम्मति से चुना गया है।'' पिछले साल दो अक्टूबर को गठित जन सुराज पार्टी तभी से बिना किसी पूर्णकालिक अध्यक्ष के काम कर रही थी। किशोर ने साफ किया है कि वह अपने पास कोई पद नहीं रखेंगे।

टेस्ट कप्तानी में गिल की योग्यता का आकलन करना अभी जल्दबाजी होगी : आशीष कपूर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। गुजरात टाइटंस के सहायक कोच आशीष कपूर का मानना है कि शुभमन गिल एक 'सोच-समझकर खेलने वाले क्रिकेटर' हैं लेकिन यह अनुमान लगाना मुश्किल है कि अगर उन्हें भारतीय टीम की कमान सौंपी जाती है तो वह टेस्ट प्रारूप में अपनी टी20 कप्तानी की सफलता को दोहरा पाएंगे या नहीं।

मौजूदा सत्र में गुजरात टाइटंस को अपनी कप्तानी में आईपीएल प्लेऑफ में पहुंचाने वाले गिल को रोहित शर्मा के हाल ही में संन्यास लेने के बाद टेस्ट क्रिकेट में उनके संभावित उत्तराधिकारी के रूप में देखा जा रहा है। रविवार रात मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कपूर ने कहा, ''अगर आप शुभमन को बल्लेबाज या मूल रूप से क्रिकेटर के तौर पर देखते हैं, वह सोच-समझकार काम करने वाला है या नहीं, मुझे लगता है कि वह अपने खेल के बारे में काफी सोच-समझकर काम करता है।'' उन्होंने कहा, ''मैंने उसे अंडर-16 के दिनों से देखा है। असल में मैंने उसके साथ एनसीए में दो शिविर किए हैं। उस समय भी उसने अपनी उम्र के कई अन्य खिलाड़ियों की तुलना में अपने दिमाग का बहुत अधिक उपयोग किया। और

यह एक कप्तान के लिए एक महत्वपूर्ण गुण है - उसे ना केवल अपने लिए बल्कि दस अन्य खिलाड़ियों के लिए भी सोचना है और मैच जीतने की योजना बनाना है।''

भारत 20 जून से लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला की शुरुआत करने को तैयार है और इस सप्ताह नए टेस्ट कप्तान की घोषणा होने की उम्मीद है। यह पूछे जाने पर कि अगर अवसर दिया जाता है तो गिल लाल गेंद के कप्तान के रूप में कैसा प्रदर्शन कर सकते हैं, कपूर ने कहा कि सीमित अनुभव के आधार पर नेतृत्व क्षमताओं का आकलन करना मुश्किल है। भारत के इस पूर्व स्पिनर ने कहा, ''मैं कोई ज्योतिषी नहीं हूं। हम उन्हें टी20 क्रिकेट में नेतृत्व करते हुए देख रहे हैं लेकिन जब धोनी को विश्व कप (2007 में) के लिए कप्तान बनाया गया था तब उन्होंने कहीं भी कप्तानी नहीं की थी। तब किसी को नहीं पता था कि वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ कप्तानों में से एक बन जाएगा।'' कपूर ने कहा, ''अगर आप उस समय किसी से पूछते - यहां तक कि खुद धोनी से भी - कि वह अपनी कप्तानी के बारे में क्या सोचते हैं, तो कोई जवाब नहीं मिलता। किसी भी तरह का निर्णय लेने से पहले आपको एक खिलाड़ी को काफी समय तक देखना होता है। शुभमन ने अभी शुरुआत भी नहीं की है इसलिए यह कहना बहुत मुश्किल है।''

एशिया कप से भारत के हटने की खबर अटकलबाजी है : बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार को उस खबर को 'अटकलबाजी और काल्पनिक' करार दिया जिसमें दावा किया गया है कि उसने पुरुष एशिया कप और महिला एमर्जिंग टीम एशिया कप से हटने का फैसला किया है।

सूत्रों के हवाले से एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि बीसीसीआई भारतीय टीमों को एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) की दो प्रतियोगिताओं में ऐसे समय में प्रतिस्पर्धा नहीं करने देगा जब इस क्रिकेट संस्था का नेतृत्व एक पाकिस्तानी कर रहा है और कुछ ही दिन पहले दोनों पड़ोसी देशों के बीच सैन्य संघर्ष हुआ था।

पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के भी अध्यक्ष हैं और एसीसी के अध्यक्ष का पद भी संभालते हैं। गत चैंपियन भारत सितंबर में टी20 प्रारूप में खेले जाने वाले पुरुष एशिया कप की मेजबानी करेगा जबकि श्रीलंका को महिला एमर्जिंग टीम एशिया कप आवंटित किया गया है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने 'पीटीआई' से कहा, ''आज सुबह से ही हमें कुछ ऐसी खबरों की जानकारी मिली है कि बीसीसीआई ने एशिया कप और महिला एमर्जिंग टीम एशिया कप में भाग नहीं लेने का फैसला किया है। ये दोनों ही एसीसी प्रतियोगिताएं हैं। ऐसी खबरों में कोई सचाई नहीं है क्योंकि अभी तक बीसीसीआई ने एसीसी की आगामी प्रतियोगिताओं के बारे में कोई चर्चा या कोई कदम नहीं उठाया है, एसीसी को कुछ भी लिखना तो दूर की बात है।'' सैकिया ने कहा कि बीसीसीआई आईपीएल और अगले महीने से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू हो रही पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। उन्होंने कहा, ''इस समय हमारा ध्यान मौजूदा आईपीएल और उसके बाद इंग्लैंड में होने वाली श्रृंखला पर है, जिसमें पुरुष और महिला दोनों श्रृंखलाएं शामिल हैं।''

सुविचार

जिस प्रकार एक सूखा पेड़ आग लगने पर पूरे जंगल को जला देता है, उसी प्रकार एक दुष्ट पुत्र पूरे परिवार को नष्ट कर देता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

धर्मांतरण का दांव

उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले में सिक्ख समुदाय के कई लोगों का धर्मांतरण कराने संबंधी शिकायतों की गहराई से जांच होनी चाहिए। धर्मांतरण एक गंभीर समस्या है, जो भविष्य में कई समस्याओं को जन्म देती है। अक्सर इसके बारे में यह कहते हुए गंभीरता को कम करके दिखाने की कोशिश की जाती है कि हर व्यक्ति अपनी आस्था के अनुसार धर्म अपनाने को स्वतंत्र है। यहां इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा एक मामले में की गई टिप्पणी अत्यंत प्रासंगिक है- 'संविधान बलपूर्वक या धोखे से धर्म परिवर्तन का समर्थन नहीं करता और न ही यह धर्म के प्रचार की आड़ में बलपूर्वक या भ्रामक व्यवहार को ढाल प्रदान करता है।' आज जहां-जहां धर्मांतरण की घटनाएं हो रही हैं, वहां ऐसा 'व्यवहार' देखने को मिलता है। पीलीभीत जिले में एक प्रमुख सिक्ख संगठन ने तो अपने समुदाय के 3,000 लोगों के धर्मांतरण का दावा किया है। असल आंकड़ा जो भी हो, लेकिन इस बात से कोई इन्कार नहीं कर सकता कि देश में हिंदू और सिक्ख समुदाय के लोगों के धर्मांतरण की घटनाएं हो रही हैं। इस मामले में वर्षों से दिया जा रहा यह तर्क कोई मायने नहीं रखता कि आज किसी का जबरन या लालच देकर धर्मांतरण नहीं कराया जा सकता। हाल के वर्षों में ऐसी घटनाएं सामने आई हैं, जिनसे पता चलता है कि भारत में धर्मांतरण के लिए लालच, डर, चमत्कार जैसे पैंतरे आजमाए जाते हैं। पीलीभीत में धर्मांतरण संबंधी घटनाओं के लिए नेपाली पादरियों पर आरोप लगाया गया है, जो सीमावर्ती इलाकों में सक्रिय हैं और प्रलोभन के जरिए अपने काम को अंजाम दे रहे हैं।

बीमारी दूर करने, पारिवारिक जीवन खुशहाल बनाने, नौकरी दिलाने, वीजा दिलाने, शादी कराने और संतान प्राप्ति होने जैसे अनगिनत सपने दिखाकर धर्मांतरण का खेल धड़ल्ले से चलता है। पंजाब में तो ऐसा वर्षों से हो रहा है। वहां रेडियो और टीवी कार्यक्रमों का सहारा लेते हुए धर्मांतरण के लिए जमीन तैयार की गई। अंतरराष्ट्रीय सीमा पर स्थित यह राज्य पूर्व में उग्रवाद से पीड़ित रहा है। यहां मधुर सपने दिखाकर किए जा रहे धर्मांतरण के क्या नतीजे निकलेंगे? जिन लोगों का धर्मांतरण कराया गया, उनकी ज़िंदगी पर गौर करें तो ज्यादातर लोग ऐसे मिलेंगे, जो दिक्कतों और अभावों से जूझ रहे थे। किसी की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी, कोई अपना या परिवार के सदस्य का इलाज कराने में समर्थ नहीं था, किसी के बच्चों का अच्छे स्कूल में एडमिशन नहीं हो रहा था। धर्मांतरण कराने वाले गिरोह ऐसी कोशिश करते हैं, जिससे लोगों का उन पर भरोसा मजबूत हो जाए। वे कुछ आर्थिक सहायता भी देते हैं, चमत्कारों से स्वस्थ करने का दावा करते हैं। यही नहीं, वे चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के अलावा पढ़ाई-लिखाई में भी मदद कर देते हैं। इसके बदले संबंधित व्यक्ति को अपनी आस्था बदलनी होती है। पीलीभीत से आ रहीं शिकायतों में इसी की झलक मिलती है, जहां एक सामाजिक कार्यकर्ता ने गरीबी और शिक्षा की कमी जैसे कारकों को धर्मांतरण के लिए जिम्मेदार ठहराया है। वहां जिस तरह धर्मांतरण की घटनाओं में नेपाली पादरियों की भूमिका होने का आरोप लगाया जा रहा है, उससे नेपाली प्रशासन को भी सतर्क हो जाना चाहिए। क्या ये लोग अपने देश में धर्मांतरण को बढ़ावा नहीं दे रहे होंगे? भारत और नेपाल के मधुर संबंध हैं। दोनों में हिंदू बहुसंख्यक हैं। अगर सीमावर्ती इलाकों में धर्मांतरण की घटनाएं होती रहीं तो इससे भविष्य में राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी चुनौतियां पैदा हो सकती हैं। ऐसी गतिविधियों में लिप्त लोगों को कठोर दंड देने के साथ ही उन वजहों पर ध्यान देने की जरूरत है, जिनसे धर्मांतरण का सिलसिला शुरू होकर आगे बढ़ता ही जाता है।

ट्वीटर टॉक

संसदीय क्षेत्र कोटा के एमबीएस अस्पताल परिसर में आज प्रधानमंत्री दिव्याशा केंद्र का उद्घाटन किया। इस केंद्र के शुभारंभ के साथ दिव्यांगजनों के आत्मबल, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक नया अध्याय जुड़ा है।

-ओम बिरला

समाजसेवा को जीवन का ध्येय बना अपनी एक अलग आभा रखतीं श्रीमती सुशीला बोहरा जी की ऑटोबायोग्राफी मैं न थकी न हारी का विमोचन कर हार्दिक प्रसन्नता हुई। विशेषकर नेत्रहीन एवं मूकबधिर बच्चों के जीवन को दिशा देने में उनका योगदान अनुकरणीय हैं।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

आतंकवाद पर भारत के प्रचंड प्रहार एवं भारतीय सेवा द्वारा चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' की अपार सफलता के उपलक्ष्य पर आज विद्याधर नगर विधानसभा के खातीपुरा एवं नांगल मंडल के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित तिरंगा यात्रा में सम्मिलित होकर गर्व की अनुभूति हुई।

-दीया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

पूजनीय कौन

एक मंदिर में स्थापित प्रस्तर प्रतिमा पर चढ़ाए गए पुष्प ने क्रोधित होकर पुजारी से कहा, तुम प्रतिदिन इस प्रस्तर प्रतिमा पर मुझे चढ़ाकर इसकी पूजा करते हो। यह मुझे कतई पसंद नहीं है। पूजा मेरी होनी चाहिये क्योंकि मैं कोमल, सुंदर, सुवासित हूँ। यह तो मात्र पत्थर की मूर्ति है। मंदिर के पुजारी ने हँसते हुए कहा, हे पुष्प, तुम कोमल, सुंदर, सुवासित अवश्य हो पर तुम्हें ईश्वर ने ऐसा बनाया है। ये गुण तुम्हें सहजता से प्राप्त हुए हैं। इनके लिये तुम्हें कोई श्रम नहीं करना पड़ा है। पर देवत्व प्राप्त करना बड़ा कठिन काम है। इस देव प्रतिमा का निर्माण बड़ी कठिनाई से किया जाता है। एक कठोर पत्थर को देव प्रतिमा बनने के लिये हजारों चोटें व पड़ी सहनी पड़ती है। चोट लगते ही अगर यह टूट कर बिखर जाता तो शायद यह कभी देव प्रतिमा नहीं बन सकता था। एक बार ग कठोर पत्थर देव प्रतिमा में ढल जाए तो लोग उसे बड़े आदर भाव से मंदिर में स्थापित कर प्रतिदिन उसकी पूजा अर्चना करते हैं। इस प्रस्तर की सहनशीलता ने ही इसे देव प्रतिमा के रूप में पूजनीय तथा वंदनीय बना दिया है। यह सुनकर पुष्प मुस्कुरा दिया। वह समझ गया कि कठिन परीक्षा को सफलता पूर्वक पार करनेवाला ही देवत्व प्राप्त करता है।

सामयिक

रावलपिंडी जीएचक्यू

बर्बाद गुलिस्तां करने को एक ही उल्लू काफी था ...

राजीव शर्मा
मोबाइल : 89493 80771

इस समय जब मैं ये पंक्तियां लिख रहा हूं तो भारत और पाकिस्तान में देशप्रेम का ज्वार उमड़ा हुआ है। मैं देशप्रेम का समर्थक हूं। मैंने हमेशा ही इस बात का समर्थन किया है कि भारत-पाकिस्तान के संबंध अच्छे हों। अगर कभी ऐसा हुआ तो आम जनता को बहुत फ़ायदा होगा। हालांकि पहलगाम हमले के बाद जिस तरह के हालात पैदा हुए हैं, मुझे अगले कई वर्षों तक इसकी कोई संभावना नज़र नहीं आती।

आज पाकिस्तान में लोग इस बात का दोष भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर डाल रहे हैं कि ये जब से केंद्र की सत्ता में आए हैं, संबंध बिगड़ते ही जा रहे हैं। मैं इस बात से सहमत नहीं हूं। मैंने एचडी देवेगौड़ा से लेकर डॉ. मनमोहन सिंह तक का ज़माना देखा है और बहुत तबीयत से देखा है। मेरी उम्र के सभी लोगों ने देखा है।

मैं बहुत ज़िम्मेदारी के साथ कह सकता हूं कि भारत-पाकिस्तान के संबंध इन नेताओं के ज़माने में भी कोई बहुत अच्छे नहीं थे। हमें आए दिन ये ही ख़बरें पढ़ने-सुनने को मिलती थीं कि आज यहां सैनिक शहीद हो गए, वहां आतंकवादी हमला हो गया, लावारिस चीज़ दिखाई दे तो पुलिस को सूचित करें ...।

कारगिल युद्ध हो, आईसी 814 अपहरण कांड हो, संसद भवन पर हमला हो, मुंबई ट्रेन धमाके हों, 26/11 हमले हों ... ये सब कल की ही बातें लगती हैं। इन सबमें पाकिस्तान की भूमिका रही है। क्या मिलता है यह सब करके? याद रखें, भारत में हज़ारों समस्याएं होंगी, लेकिन यहां राष्ट्रवाद बहुत मज़बूत है। हमने कई दशकों और सदियों तक ठोकरें खाई होंगी, लेकिन उनसे बहुत कुछ सीखा भी है। अगर आज कोई सोचता है कि वह ऐसी हरकतों से भारत को झुका देगा तो बहुत ग़लत सोचता है। यह देश तमाम चुनौतियों से जूझकर और मज़बूत हुआ है।

आज कुछ अंतरराष्ट्रीय शक्तियां हमें दबाने की कोशिश कर रही हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि भारत इनसे सीखेगा और शक्तिशाली होगा। हम हिंदू, मुस्लिम, सिक्ख, ईसाई, बौद्ध, जैन, पारसी ... सब एकजुट हैं।

मैं किसी नेता और सरकार का समर्थन नहीं कर रहा, लेकिन इस बात से आप सहमत होंगे कि लाल बहादुर शास्त्री और इंदिरा गांधी के बाद नरेंद्र मोदी ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने पाकिस्तान को ऐसी कड़ी प्रतिक्रिया दी है। 'ऑपरेशन सिंदूर' में कमियां रही होंगी, किस ऑपरेशन में नहीं होतीं? इस पर चर्चा होती रहेगी। आप यह देखिए कि इस ऑपरेशन के बाद दुनिया में कितने देशों ने भारत का विरोध किया? यह जगजाहिर है कि पाकिस्तान में आतंकवादी तैयार किए जाते हैं, उन्हें एलओसी की ओर भेजा जाता है। उनमें से ज़्यादातर भारतीय सेना की कार्रवाई में मारे जाते हैं?

ऐसा कब तक चलेगा? क्या पाकिस्तानी हुक्मरान सोचते हैं कि वे ऐसा करने से भारत को झुका देंगे? आतंकवादियों को एकाध बार कामयाबी मिल सकती है। भविष्य में इसकी गुंजाइश भी कम होती जाएगी। इन सबसे पाकिस्तान को कुछ भी हासिल नहीं होगा। आपने 'कश्मीर-कश्मीर' की रट में पूर्वी पाकिस्तान गंवा दिया। आज हालत यह है कि पाकिस्तान एक बिलियन डॉलर के लिए कभी आईएमएफ तो कभी विश्व बैंक के सामने कटोरा फैलाता है।

पाकिस्तान को इस हालत में पहुंचाने के लिए सबसे ज़्यादा ज़िम्मेदार उसके फ़ौजी अफ़सर हैं, जो अवाम से क़ुर्बानी चाहते हैं, लेकिन अपने बच्चों को यूके, यूएई, अमेरिका और कनाडा भेजते हैं। ये दो क़ौमी नज़रिए के नाम पर अवाम को मूर्ख बनाते हैं। इन्होंने भारत से दुश्मनी को कारोबार बना रखा है। ये इतनी कोशिशों के बावजूद जम्मू-कश्मीर का एक इंच भूभाग नहीं ले सके। वर्ष 1947 में भारतीय सेना के आने से पहले जो कब्जा कर लिया, सो कर लिया। अब कोई उम्मीद न रखें।

'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत की गई कार्रवाइयों के बाद मैंने कुछ पाकिस्तानी समाचार चैनलों को देखा। उन्हें इस बात को लेकर बड़ी चिंता हो रही थी कि भारत महात्मा गांधी और पं. नेहरू के आदर्शों से दूर होता जा रहा है! अगर आपके मन में हमारे इन नेताओं के प्रति इतना प्रेम उमड़ रहा है तो यह बताएं कि पाकिस्तान ने इनके जीवित रहते कश्मीर में कबायली लश्कर क्यों भेजे थे? आपको इनका सम्मान करना चाहिए था!

वर्ष 1965, 1971, 1999 में क्या हुआ था? हर युद्ध पाकिस्तान ने शुरू किया था। जब भारत ने जवाबी कार्रवाई की तो ख़ुद को पीड़ित की तरह दिखाने लगा। हमारे नेताओं ने पाकिस्तान के साथ संबंध सुधारने के लिए कई बार कोशिशें कीं, लेकिन उन्हें हर बार धोखा ही मिला। प्रधानमंत्री मोदी तो 25 दिसंबर, 2015 को अपना राजनीतिक करियर दांव पर लगाकर पाकिस्तान गए थे। उनके इस कदम का भारत में बहुत विरोध हुआ था।

अगर पाकिस्तानी हुक्मरान अक़्ल से काम लेते तो उनका देश पर्यटन से ही इतनी कमाई कर लेता कि आईएमएफ और विश्व बैंक के पास जाने की नौबत नहीं आती। अब प्रधानमंत्री मोदी से मेरा नम्र निवेदन है कि भविष्य में पाकिस्तान के साथ संबंध सुधारने में ऊर्जा और संसाधन बिल्कुल खर्च न करें। देश की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करें, ताकि घुसपैठ पर नियंत्रण हो। पाकिस्तान को दो क़ौमी नज़रिए के साथ कटोरा लेकर घूमने दें। ये लोग दुनिया में सेकुलरिज्म चाहते हैं, लिबरल सरकारें चाहते हैं, लेकिन ख़ुद कट्टर और हिंसक बने रहना चाहते हैं। इन्हें इनके हाल पर छोड़ दें। बर्बाद गुलिस्तां करने को एक ही उल्लू काफ़ी था। रावलपिंडी के जीएचक्यू में तो उल्लू ही उल्लू बैठे हैं।

नजरिया

सात प्रतिनिधिमंडल में जिन नेताओं को नेतृत्व दिया गया है, उसमें भी अन्य दलों को प्राथमिकता देकर एक संतुलन एवं सूझबूझ का परिचय दिया गया है। आइडिया ऑफ इंडिया के साथ सुगठित इस टीम इंडिया के कंधे पर बड़ी एवं महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। दुनिया के निर्णायक नेताओं से मिलकर यह बताना जरूरी है कि आइडिया ऑफ पाकिस्तान और आइडिया ऑफ इंडिया के बीच कितनी चौड़ी खाई है, यह खाई संबंधित देशों ही नहीं, दुनिया को प्रभावित करने वाली है।

भारत का पक्ष रखने की सराहनीय पहल एवं बेतुका विवाद

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

पहलगाम की क्रूर एवं बर्बर आतंकी घटना एवं उसके बाद भारत के सिंदूर ऑपरेशन में पाकिस्तान को करारी मात देने की घटना से निश्चित ही भारत की ताकत को दुनिया ने देखा। लेकिन इसके बाद पाक दुनिया से सहानुभूति बटोरने के लिये जहां विश्व समुदाय में अनेक भ्रम, भ्रांतिया एवं भारत की छवि को छिछालेदार करने में जुटा है, वहीं भारत का डर दिखा-दिखा कर ही पाक अनेक देशों से आर्थिक मदद मांग रहा है। इन्हीं स्थितियों को देखते हुए दुनिया के सामने भारत का पक्ष रखने के लिए केंद्र सरकार ने जिस तरह से सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों का गठन किया है, यह फैसला जितना सराहनीय है, उतना ही दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण है इसका राजनीतिक विवादों में घिर जाना। यह राजनीति से ऊपर, मतभेदों से परे राष्ट्रीय एकता का एक शक्तिशाली प्रतिबिंब बनना चाहिए। देश की सुरक्षा, सैन्य उपक्रम, राष्ट्रीय एकता-अखण्डता एवं विदेश नीति से जुड़े विषय पर राजनीति होना, देश के हित में नहीं है।

पहलगाम हमले के बाद यह अफसोस की बात है कि पाकिस्तान का बचाव करने या उसके साथ मुखरता से खड़े होने वाले देशों या विश्व संगठनों के साथ-साथ भारतीय राजनीतिक दलों में विवाद का बढ़ना चिन्ताजनक है।। भारत के राजनीतिक दल प्रारंभ में एकजुट दिखें लेकिन राजनीतिक स्वार्थों के चलते अब उनमें कहीं-कहीं वैचारिक मतभेद उभर रहे हैं। पाकिस्तान दोषी होने के बावजूद पीड़ित होने का स्वांग रचकर सहानुभूति जुटाता रहा है। दुनिया के अनेक देश उसके झांसे में आ भी जाते हैं। ऐसे में, दुनिया के महत्वपूर्ण देशों में भारत का पक्ष रखने का मोदी सरकार का यह प्रयास बहुत जरूरी एवं दूरगामी सोच से जुड़स है। इस प्रयास को एक बड़े अभियान के रूप में लेना चाहिए। आतंकवाद के खिलाफ भारत की शून्य सहिष्णुता और ऑपरेशन सिंदूर का संदेश दुनिया तक पहुंचना चाहिए। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सभी दलों ने सरकार और सेना के प्रति समर्थन जताया था। सरकार ने भी उसी भावना का सम्मान करते हुए सभी दलों के सांसदों को प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया है। कांग्रेस ने थरूर का नाम नहीं भेजा था, सरकार ने उन्हें अपनी तरफ से शामिल कर लिया। जिनके नाम कांग्रेस ने दिए थे, उनमें से सिर्फ आनंद शर्मा चुने गए।

शशि थरूर विदेश नीति के जानकार है। थरूर पहले संयुक्त राष्ट्रसंघ में काम कर चुके हैं, विदेश राज्यमंत्री रह चुके हैं। उनके अनुभव का फायदा निश्चित रूप से प्रतिनिधिमण्डल को मिलेगा, दुनिया में भारत का पक्ष सही परिप्रेक्ष्य में रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। हालांकि कांग्रेस को लगता है कि उसके सांसद को चुनने से पहले उससे पूछा जाना चाहिए था, इस अपेक्षा को गलत भी नहीं कहा जा सकता। मगर वर्तमान संवेदनशील हालातों में इसे विवाद का मुद्दा बनाने से बचा जा सकता था। लेकिन कांग्रेस के सदस्यों, खासकर सांसद शशि थरूर को लेकर हो रहा विवाद बिल्कुल अनचाहा एवं अनुचित है। इससे एक अच्छा एवं प्रासंगिक मकसद नकारात्मक खबरों में घिर गया है। भले ही शशि थरूर और कांग्रेस के रिश्ते पिछले कुछ समय से ठीक नहीं रहे हैं। लेकिन यह एक सांसद और उसकी पार्टी के बीच का मसला है। यहां जो मुद्दा सामने है, वह देश से जुड़ा है। इसमें सभी को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सोचना चाहिए।

युद्ध एवं आतंक जैसे हालातों में भारत ने अपना पक्ष रखने के लिए पहले भी समय-समय पर विपक्ष के शीर्ष नेताओं को आगे किया है और उसी परिपाटी को मोदी सरकार ने आगे बढ़ाकर देश की राजनीति व राजनय को मजबूती दी है। सात सदस्यीय बैजयंत जय पांडा, रविशंकर प्रसाद, शशि थरूर, संजय झा, श्रीकांत शिंदे, कनिमोझी करुणानिधि और सुप्रिया सुले के नेतृत्व में हमारे देश के नेता 32 देशों का दौरा करेंगे। यह विपक्ष के नेताओं के लिए भी स्वर्णिम अवसर है कि वह अपनी काबिलियत एवं देशहित को देश के सामने साबित करें। क्योंकि राष्ट्र एवं राष्ट्रीय एकता सबसे ऊपर है। बांटने वाली राजनीति से अलग जब हम देशहित के पक्ष में खड़े होंगे, तभी आतंकवाद से लड़ने में सहूलियत एवं सफलता मिलेगी। क्या दुनिया ने भारत के सीमित सैन्य अभियान के महत्व, संयम और समझदारी को ठीक से समझा है? क्या भारत आतंकवाद के खिलाफ संपूर्ण युद्ध नहीं छेड़ सकता था? अगर भारत ने युद्ध को नहीं बढ़ाया, तो इसका अर्थ कतई यह नहीं कि भारत का पक्ष कमजोर है। भारत चाहता तो पाक को हर मोर्चे पर नेस्तनाबूद कर सकता है, लेकिन भारत का लक्ष्य आतंकवाद को समाप्त करना है।

भारत ने पाकिस्तान और पीओके में बसे 9 आतंकी ठिकानों को रात के अंधेरे में तबाह कर दिया। इसके बाद भारत ने ठान लिया कि पूरी दुनिया के सामने आतंकवाद परस्त पाकिस्तान का चेहरा बेनकाब करना है, जिसकी जिम्मेदारी अनुभवी एवं विशेषज्ञ सात सांसदों को सौंप कर सरकार ने सूझबूझ एवं परिपक्व नेतृत्व का परिचय दिया है। सांसदों के सात प्रतिनिधिमंडल दुनियाभर के देशों में जाकर आतंकवाद के मुद्दे पर भारत का पक्ष रखेंगे। हर एक प्रतिनिधिमंडल में 6-7 सांसद और कई राजनयिक शामिल होंगे। भारत की शांति, अहिंसा, विकास एवं विश्व बंधुत्व का संदेश सात प्रतिनिधिमंडलों के जरिये दुनिया तक पहुंचना इसलिए भी जरूरी है कि भारत को तेज विकास करना है और अब वह पहलगाम जैसे किसी आतंकी हमले को बर्दाश्त नहीं कर सकता। गौर करने की बात है कि सात प्रतिनिधिमंडलों में 59 सदस्य शामिल किए गए हैं, जिनमें सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के 31 नेता और अन्य दलों के 20 नेता शामिल हैं। इस तरह सर्वदलीय सांसदों की टीमों को अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक मिशन पर भेजने से भारत का पक्ष मजबूत होगा, दुनिया में आतंक के विरुद्ध सकारात्मक वातावरण बनेगा। ये दौरे न सिर्फ आतंकवाद पर भारत की नीतियों को साफ करेंगे, बल्कि पाक की हरकतों को भी दुनिया के सामने बेनकाब करेंगे।

सात प्रतिनिधिमंडल में जिन नेताओं को नेतृत्व दिया गया है, उसमें भी अन्य दलों को प्राथमिकता देकर एक संतुलन एवं सूझबूझ का परिचय दिया गया है। आइडिया ऑफ इंडिया के साथ सुगठित इस टीम इंडिया के कंधे पर बड़ी एवं महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। दुनिया के निर्णायक नेताओं से मिलकर यह बताना जरूरी है कि आइडिया ऑफ पाकिस्तान और आइडिया ऑफ इंडिया के बीच कितनी चौड़ी खाई है, यह खाई संबंधित देशों ही नहीं, दुनिया को प्रभावित करने वाली है। दूसरे शब्दों में कहें, तो पाकिस्तान आतंकवादी मानसिकता से ग्रस्त है एवं आतंक को पोषित एवं पल्लवित करने वाला देश है। उसके आतंकवाद ने भारत ही नहीं, दुनिया के अनेक देशों को भारी नुकसान पहुंचाया है। एक देश, जो आतंक की बुनियाद पर खड़ा है, न उसे शर्म है, न पछतावा। वहां ऑपरेशन सिंदूर में मारे गए आतंकियों व उनके परिजन को जैसा राजकीय सम्मान दिया गया है, जैसे पाक फौज आतंकी सरगनाओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी देखी गई है, उस तरफ से मुंह मोड़कर अगर दुनिया खड़ी होगी, तो यकीन मानिए, फिर इंसानियत का खून होगा और आतंकवाद को बल मिलेगा।

ऑपरेशन सिन्दूर भारत की बदलती रणनीति का हिस्सा बना है। भारत अब पहले की तरह केवल कूटनीतिक जवाब तक सीमित नहीं रहा, बल्कि वह सैन्य कार्रवाई के जरिए आतंकवाद के खिलाफ कड़ा संदेश भी देना जानता है। पाक सेना आतंकी संगठनों का इस्तेमाल करती है, लेकिन उसकी यह नीति न केवल भारत के लिए खतरा है, बल्कि पाक के आंतरिक स्थायित्व को भी कमजोर करती है। जब तक पाक सेना अपनी नीतियों में बदलाव नहीं करती तब तक इस तरह के आतंकी तनाव बार-बार सामने आएंगे। पाक भविष्य में फिर से भारत के खिलाफ आतंकी हमले कर सकता है क्योंकि यह उसकी रणनीति का हिस्सा है। पाक सेना की आतंकवाद समर्थक नीतियां और भारत की आक्रामक जवाबी रणनीति इस क्षेत्र में स्थायी शांति की राह में बड़ी बाधाएं हैं। स्पष्ट होता है कि यह संघर्ष केवल दो देशों के बीच का विवाद नहीं है बल्कि इसमें पूरी दुनिया से जुड़े गहरे ऐतिहासिक, वैचारिक और रणनीतिक आयाम हैं। इसलिये दुनिया के बड़े राष्ट्र पाक की आतंकी सोच से परिचित हो, इसी सोच से दुनिया को परिचित कराना सात सदस्यीय प्रतिनिधि मण्डल का मिशन है।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बैठक

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और 16वें वित्त आयोग के अध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया सोमवार को देहरादून में राज्य सचिवालय में एक बैठक के दौरान।

ब्रिटेन, यूरोपीय संघ के संबंधों में नया अध्याय, रक्षा समेत कई समझौतों पर हस्ताक्षर

लंदन/एपी

ब्रिटेन और यूरोपीय संघ ने पांच साल के अलगाव के बाद आयोजित पहले औपचारिक शिखर सम्मेलन में सोमवार को रक्षा सहयोग एवं व्यापार को आसान बनाने से संबंधित नए समझौतों पर हस्ताक्षर किए।

इसके साथ ही दोनों पक्षों के संबंधों में एक नए अध्याय की शुरुआत हुई। ब्रिटेन वर्ष 2020 में यूरोपीय संघ को अपने लिए नुकसानदेह बताते हुए इससे अलग हो गया था। उस घटनाक्रम को 'ब्रेक्जिट' कहा जाता है।

प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने यहां यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लिएन और यूरोपीय संघ के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात के बाद कहा कि ये समझौते लालफीताशाही को कम करेंगे, ब्रिटिश अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाएंगे और यूरोपीय संघ के साथ संबंधों को नए सिरे से स्थापित करेंगे। स्टार्मर ने कहा, ''ब्रिटेन एक बार फिर वैश्विक मंच पर वापस आ गया है। यह सौदा दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद है।'' यूरोपीय संघ की कार्यकारी इकाई यूरोपीय आयोग की प्रमुख लिएन ने इस वार्ता को ऐतिहासिक पल बताते हुए कहा कि वैश्विक उठापटक के इस दौर में यह समझौता संदेश देता है कि ब्रिटेन और यूरोपीय संघ वैश्विक मंच पर साथ खड़े होने वाले स्वाभाविक साझेदार हैं। हालांकि, ब्रिटेन के विपक्षी दलों ने इन समझौतों को ब्रेक्जिट से पीछे हटने का संकेत बताते हुए आलोचना की। कंजर्वेटिव पार्टी की नेता केमी बेडनोच ने कहा, ''हम एक बार फिर ब्रसेल्स से तय नियमों का पालन करने वाले बन रहे हैं।'' यूरोप के 27 देशों के समूह यूरोपीय संघ का मुख्यालय ब्रसेल्स में स्थित है। दोनों पक्षों के बीच एक रक्षा और सुरक्षा साझेदारी पर सहमति बनी है। इससे ब्रिटेन को यूरोपीय संघ के 150 अरब यूरो (170 अरब डॉलर) के रक्षा ऋण कार्यक्रम तक पहुंच मिल सकेगी।

इसके साथ सीमाओं के पार खाद्य व्यापार को आसान बनाने के लिए पशुओं एवं पौधों के उत्पादों पर कुछ जांच हटाने और ब्रिटेन के समुद्री क्षेत्र में यूरोपीय संघ के मछली पकड़ने वाले जहाजों को अनुमति देने वाले समझौते को 12 साल के लिए बढ़ाने पर भी सहमति बनी है।

यूरोपीय संघ का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार होने के बावजूद ब्रिटेन के उत्पादों को ब्रेक्जिट के बाद से अधिक कठोर सीमा जांच, अधिक कागजी कार्रवाई और अन्य गैर-शुल्क बाधाओं के कारण निर्यात में 21 प्रतिशत की गिरावट का सामना करना पड़ा है।

इसके अलावा पिछले पांच वर्षों में वीजा पाबंदियों ने बैंकरों या वकीलों जैसे पेशेवरों की सीमापार आवाजाही के साथ सांस्कृतिक आदान-प्रदान को भी बाधित किया है। पिछले साल जुलाई में प्रधानमंत्री बनने के बाद से ही स्टार्मर यूरोपीय संघ के साथ संबंधों को फिर से स्थापित करने की कोशिश में लगे रहे हैं। स्टार्मर का मानना है कि इसे इस तरह से सुधारा जाए कि व्यापार को बढ़ावा और सुरक्षा को मजबूती मिले। ब्रिटेन ने हाल ही में भारत और अमेरिका के साथ भी व्यापार समझौतों को अंतिम रूप देने की घोषणा की है।

रक्षा समझौता ब्रिटेन के रक्षा उद्योग को सैन्य उपकरण खरीदने के लिए एक नए यूरोपीय संघ ऋण कार्यक्रम से सस्ते कर्ज प्राप्त करने की अनुमति देगा। इससे यूक्रेन की आंशिक रूप से आत्मरक्षा में मदद की जा सकेगी। व्यापार समझौतों से कुछ खाद्य आयात और निर्यात पर नियमित सीमा जांच और लागत में कमी आएगी और माल का स्वतंत्र रूप से प्रवाह आसान हो सकेगा।

इस वार्ता में एक युवा आवाजाही योजना भी शामिल है जिसमें युवा ब्रिटिश और यूरोपीय लोगों को एक-दूसरे के क्षेत्र में अस्थायी रूप से रहने और काम करने की अनुमति मिलने की उम्मीद है।

सम्मेलन

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान और बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा सोमवार को पटना में 'अंतर्राष्ट्रीय क्रेता-विक्रेता सम्मेलन' के दौरान।

भारत के आतंकवाद रोधी रुख का उद्देश्य दीर्घकालिक शांति स्थापित करना है

कोलंबो/भाषा। श्रीलंका में भारतीय उच्चायुक्त संतोष झा ने कहा है कि भारत का आतंकवाद के खिलाफ दृढ़ और मजबूत रुख दक्षिण एशिया में दीर्घकालिक शांति एवं स्थिरता का निर्माण करना है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद एक वैश्विक संकट है और सभी देशों को इससे निपटने के लिए मिलकर काम करना चाहिए।

सोमवार को 'डेली मिरर' अखबार में प्रकाशित एक साक्षात्कार में झा ने कहा कि पाकिस्तान की आंतरिक स्थिति और आतंकवाद को देश की नीति के रूप में उपयोग करने की प्रवृत्ति, अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए मुख्य चिंता का विषय होना चाहिए, न कि भारत की आतंकवाद रोधी प्रतिक्रिया। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने छह मई की देर रात 'ऑपरेशन सिंदूर' की शुरुआत की थी और पाकिस्तान तथा उसके कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया था। पहलगाम में 22 अप्रैल के आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे।

आतंकी ठिकानों पर भारतीय कार्रवाई के बाद पाकिस्तानी सेना के ड्रोन और मिसाइल हमलों के कारण दोनों देश युद्ध के कगार पर पहुंच गए थे, हालांकि, 10 मई को दोनों देशों के बीच सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बनी थी।

भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया सैन्य संघर्ष पर पूछे गए सवालों के जवाब में भारतीय राजनयिक ने कहा, ''ऑपरेशन सिंदूर का अंतर्निहित सिद्धांत आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करना है। श्रीलंका स्वयं आतंकवाद का शिकार रहा है और वह आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति का पक्षधर है।'' झा ने कहा कि भारत ने पहलगाम के पीड़ितों को ''न्याय'' दिलाने के उद्देश्य से आतंकवादी ठिकानों को नष्ट करने के लिए सैन्य हस्तक्षेप किया, लेकिन इसका उद्देश्य सीमा पार से होने वाले ऐसे हमलों को रोकना भी था।

झा ने पहलगाम आतंकवादी हमलों के पीड़ितों के साथ एकजुटता व्यक्त करने और आतंकवाद की कड़े शब्दों में निंदा करने के लिए श्रीलंका और राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके को धन्यवाद दिया।

चिकित्सा उपकरणों की प्लास्टिक को नष्ट करने में सक्षम है 'स्यूडोमोनास एरुगिनोसा' जीवाणु : अध्ययन

नई दिल्ली/भाषा

अस्पतालों में मौजूद 'स्यूडोमोनास एरुगिनोसा' नाम का आम, लेकिन खतरनाक जीवाणु चिकित्सकों और नर्सों द्वारा उपयोग किये जाने वाले चिकित्सा उपकरणों में लगी प्लास्टिक को नष्ट करने की क्षमता रखता है। यह भारत समेत पूरी दुनिया में मरीजों की सुरक्षा के लिये गंभीर खतरा पैदा कर रहा है। एक अध्ययन में यह जानकारी सामने आई है। एक नए अध्ययन में पाया गया है कि 'स्यूडोमोनास एरुगिनोसा' नामक जीवाणु अस्पताल में होने वाले 30 प्रतिशत संक्रमणों के लिए जिम्मेदार है। लंदन स्थित ब्रुनेल विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने पाया है कि 'स्यूडोमोनास एरुगिनोसा' नामक एक दवा-प्रतिरोधी जीवाणु 'पॉलीकैप्रोलैक्टोन' नामक प्लास्टिक को नष्ट करने की क्षमता रखता है। इस प्लास्टिक का उपयोग चिकित्सा क्षेत्र में व्यापक रूप से होता है।

यह अध्ययन 'सेल रिपोर्ट्स' में प्रकाशित हुआ है और यह स्वास्थ्य सेवा संस्थानों में संक्रमण नियंत्रण को लेकर गंभीर चिंताएं उत्पन्न करता है। शोध में पाया गया कि यह जीवाणु न केवल पॉलीकैप्रोलैक्टोन (पीसीएल) को नष्ट कर सकता है, बल्कि उसे अपने विकास के लिए एकमात्र कार्बन स्रोत के रूप में भी इस्तेमाल कर सकता है।

वैज्ञानिकों ने इस प्रक्रिया में एक नया एंजाइम खोजा है, जिसका नाम 'पीएपी1'है। इसे जीवाणु के एक खास स्वरूप से निकाला गया। प्रयोगशाला में किए गए परीक्षण में इस एंजाइम ने सात दिन में 78 प्रतिशत प्लास्टिक को नष्ट कर दिया। शोध में यह भी पाया गया कि इस प्लास्टिक को खाने से जीवाणु और मजबूत हो जाता है और वह बायोफिल्म नाम की चिपचिपी परत बना लेता है, जो उसे दवाइयों और शरीर की रोग प्रतिरोधक प्रणाली से बचाती है। यही कारण है कि इस जीवाणु से होने वाला संक्रमण जल्दी ठीक नहीं होता और बार-बार हो सकता है।

हालांकि, इस शोध में भारत का नाम नहीं लिया गया है, लेकिन अन्य अध्ययनों से पता चला है कि भारत में भी अस्पतालों में होने वाले 10 प्रतिशत से 30 प्रतिशत तक संक्रमण के लिये यही जीवाणु जिम्मेदार है।

विंध्यवासिनी देवी के दर मिर्जापुर पहुंचीं अक्षरा सिंह

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की सफल अभिनेत्री अक्षरा सिंह इन दिनों भक्ति भाव में डूबी नजर आ रही हैं। अभिनेत्री उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर स्थित शक्तिपीठ विंध्यवासिनी देवी के दर पहुंचीं, जहां उन्होंने दर्शन कर देवी का आशीर्वाद लिया। इंस्टाग्राम हैंडल पर तस्वीरों को शेयर करते हुए अभिनेत्री ने प्रशंसकों को बताया कि वह मंदिर पहुंचीं और देवी के दर्शन कर उनका आशीर्वाद लिया। अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, प्रयागराज में इवेंट करके लौटते हुए मां विंध्यवासिनी के दर्शन हुए। शेयर की गई तस्वीरों में अक्षरा गुलाबी रंग की साड़ी पहने हाथों में माता के चढ़ावे का सामान लिए नजर आईं। वहीं, माथे पर रोली लगाए नजर आईं। इससे पहले अभिनेत्री वाराणसी स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंची थीं, जिसकी जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर दी थी।

अभिनेत्री ने कैप्शन में मंदिर के पुजारी श्रीकांत शर्मा का उल्लेख करते हुए लिखा था, फिल्म 'रुद्र शक्ति' की शूटिंग खत्म हो चुकी है। इस मौके पर रुद्र की पूजा अर्चना करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। हमारे महाराज श्रीकांत जी के सानिध्य में रहकर पूजा करने का अनुभव ही कुछ और होता है। पिछले महीने अक्षरा सिंह मध्य प्रदेश के दतिया स्थित पीतांबरा पीठ पहुंचीं थीं, जहां उन्होंने राजसत्ता की देवी मां पीतांबरा के दर्शन किए थे। इंस्टाग्राम पर शेयर की गई तस्वीरों में अभिनेत्री गुलाबी रंग की साड़ी पहने हाथ में प्रसाद लिए नजर आईं। वह माथे पर रोली का तिलक और गले में प्रसाद स्वरूप मिली गेंदे के फूलों की माला भी पहने दिखीं।

मध्यप्रदेश के दतिया जिले में स्थित मां पीतांबरा के मंदिर में दर्शन करने के लिए देश भर से श्रद्धालु पहुंचते हैं। यह पीठ राज्य के सबसे महत्वपूर्ण तीर्थस्थलों में से एक है, जहां देश भर से भक्त पहुंचते हैं। पीतांबरा देवी को शत्रुओं का नाश करने वाली और राजसत्ता की देवी माना जाता है। र

ाजसत्ता की कामना रखने वाले भक्त उनकी आराधना करते हैं। इस सिद्ध पीठ में राजनीति में सफलता की कामना के साथ पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी, अटल बिहारी वाजपेयी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत तमाम राजनीतिक गण माता का आशीर्वाद लेने के लिए पहुंच चुके हैं। मान्यता है कि यहां दर्शन करने से मनोकामना पूरी होती है और राजसत्ता का सुख मिलता है।

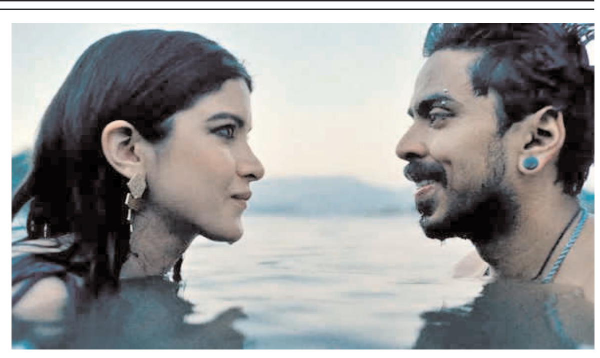

फिल्म 'तू या मैं' की शूटिंग जून में होगी शुरू

मुंबई/एजेन्सी। आदर्श गौरव और शनाया कपूर की फिल्म 'तू या मैं' की शूटिंग जून में शुरू होगी। फिल्म तू या मैं में आदर्श गौरव और शनाया कपूर एक साथ नज़र आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन जाने-माने निर्देशक बिजॉय नाम्बियार कर रहे हैं, और इसकी नई जोड़ी और दिलचस्प कहानी को लेकर पहले से ही दर्शकों में काफी उत्साह है। अपने दमदार अभिनय और अलग-अलग किरदारों के लिए पहचाने जाने वाले आदर्श इस बार एक बिल्कुल नए अंदाज़ में नज़र आएंगे। यह फिल्म उनके लिए अब तक के रोल्स से काफी अलग होगी और एक नई दिशा में कदम रखने जैसा होगा। आदर्श ने अपनी खुशी ज़ाहिर करते हुए कहा, मैं इस फिल्म को लेकर बहुत उत्साहित हूँ। इसकी शूटिंग जून में शुरू हो रही है और अभी से तैयारी शुरू हो चुकी है। यह फिल्म अब तक की मेरी फिल्मों से एकदम अलग है और यही बात मुझे इस प्रोजेक्ट की ओर खींच लाई। बिजॉय नाम्बियार जैसे विशिष्ट सोच वाले निर्देशक के साथ काम करना और शनाया कपूर के साथ स्क्रीन शेयर करना इसे और भी खास बना देता है।

फिल्म 'भूत बंगला' की शूटिंग पूरी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड स्टार अक्षय कुमार की आने वाली हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'भूत बंगला' की शूटिंग पूरी हो गयी है। अक्षय कुमार ने अपने अपने इंस्टाग्राम पर एक बिहाइंड द सीन (बीटीएस) वीडियो शेयर किया, जिसमें वह एक गाने की शूटिंग करते नजर आ रहे हैं। झरने के नीचे खड़े अक्षय ग्रीन शर्ट और लाइट ब्राउन पैंट में दिख रहे हैं।

वहीं उनके साथ नजर आ रहीं हैं वामिका गब्बी, जो स्काई ब्लू साड़ी में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। यह वीडियो अक्षय कुमार की आगामी हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'भूत बंगला' का है, जो अगले साल रिलीज होने वाली है। अक्षय ने इस वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'भूत बंगला' की शूटिंग खत्म हो चुकी है! हमेशा नई-नई चीजों को खोजकर प्रोजेक्ट में शामिल करने वाले प्रियदर्शन सर के साथ मेरा सातवां,अजेय-एकता के साथ मेरा दूसरा रोमांच और हमेशा हैरान करने वाली वामिका के साथ मेरा पहला लेकिन उम्मीद है कि यह आखिरी जादुई सफर नहीं होगा. पागलपन, जादू और यादों के लिए आभारी हूं।

इस पोस्ट पर अक्षय कुमार के साथ नजर आ रही वामिका गब्बी ने अपना रिएक्शन दिया है। उन्होंने लिखा, 'अक्षय सर आपके प्यारे वर्ड्स के लिए शुक्रिया सर, इस टीम के साथ शूटिंग करके बहुत अच्छा लगा। बिल्कुल मजेदार। प्रियदर्शन के निर्देशन में बन रही फिल्म भूत बंगला को शोभा कपूर, एकता आर कपूर और अक्षय कुमार के प्रोडक्शन हाउस केप ऑफ गुड फिल्म्स के बैनर तले प्रोड्यूस किया गया है।

फिल्म के को-प्रोड्यूसर्स फारा शेख और वेदांत बाली हैं, और यह बालाजी टेलीफिल्म्स के बैनर तले प्रोड्यूस की गई है। इस फिल्म की कहानी आकाश ए कौशिक ने लिखी है, जबकि स्क्रीनप्ले रोहन शंकर, अबिलाश नायर और प्रियदर्शन ने तैयार किया है।

फिल्म के डायलॉग्स रोहन शंकर ने लिखे हैं। भूत बंगला 02 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

जी सिने अवॉर्ड्स में शर्वरी को मिला 'आउटस्टैंडिंग परफॉर्मेंस' अवॉर्ड

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री शर्वरी को जी सिने अवॉर्ड्स 2025 में 'आउटस्टैंडिंग परफॉर्मेंस' अवॉर्ड दिया गया है। शर्वरी ने एक और उपलब्धि अपने नाम कर ली है। वर्ष 2024 में जहां उन्होंने मुंजा जैसी 100 करोड़ की ब्लॉकबस्टर फिल्म दी, वहीं वेदा और 'महाराज' जैसी फिल्मों में अपने दमदार अभिनय से दर्शकों और समीक्षकों का दिल जीता। अब जी सिने अवॉर्ड्स 2025 में उन्हें मुंजा और वेदा में शानदार अभिनय के लिए 'आउटस्टैंडिंग परफॉर्मेंस बाय अ यंग टैलेंट' के अवॉर्ड से नवाज़ा गया है। शर्वरी ने अवॉर्ड जीतने के बाद कहा, वर्ष 2024 मेरे करियर का सबसे खास साल रहा है। इस साल मुझे जितनी भी शानदार फिल्में और किरदार मिले, वो मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। दर्शकों से मिले प्यार ने मुझे इस इंडस्ट्री में पहचान दिलाई है और ये अवॉर्ड भी उन्हीं को समर्पित है। शर्वरी ने अपनी फिल्मों के निर्माता और निर्देशक का भी आभार जताया। उन्होंने कहा, मैं दिनेश विजन, आदित्य सर्पोतदार, निखिल आडवाणी, मोनीषा, मधु, आदित्य चोपड़ा और सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा सर की बहुत आभारी हूं कि उन्होंने मुझ पर विश्वास जताया और मुझे ये मौके दिए। शर्वरी फिलहाल यशराज फिल्मस की स्पाई यूनिवर्स की अगली फिल्म 'अल्फा' की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसमें वह सुपरस्टार आलिया भट्ट के साथ नज़र आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन 'द रेलवे मेन' फेम शिव रवैल कर रहे हैं। यह फिल्म 25 दिसंबर 2025 को रिलीज़ होगी।

अवैध निर्माण को लेकर बीएमसी ने दिया मिथुन चक्रवर्ती को नोटिस

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई के मड इलाके में अवैध इमारतों को हटाने के लिए बीएमसी (बृहन्मुंबई म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन) गंभीर हो गई है। अब इस लिस्ट में मिथुन चक्रवर्ती का नाम भी शामिल हो गया है। दिग्गज अभिनेता और भाजपा नेता को मलाड के एरंगल गांव में कथित रूप से गैर कानूनी निर्माण के चलते कारण बताओ नोटिस भेजा गया है। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार मिथुन को अब यह बताना होगा कि निर्माण को क्यों नहीं गिराया जाना चाहिए। अगर वे इसका जवाब नहीं देते हैं तो बीएमसी इसे गिरा सकती है और कानूनी कार्रवाई करेगी।

बीएमसी ने मड इलाके में 100 से ज्यादा अवैध निर्माणों को चिन्हित किया है, जिनमें कुछ बंगले भी शामिल हैं, जिन्हें कथित तौर पर फर्जी लेआउट प्लान का इस्तेमाल करके बनाया गया था। अधिकारियों का कहना है कि वे मई के अंत तक ऐसी सभी अवैध इमारतों को हटाने की योजना बना रहे हैं।

पुष्पा की कहानी हर उम्र की महिलाओं को सशक्त बनाती है : करूण पांडे

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री करणा पांडे का कहना है कि सोनी सब के शो 'पुष्पा इम्पॉसिबल' में पुष्पा की कहानी हर उम्र की महिलाओं को सशक्त बनाती है। सोनी सब का शो 'पुष्पा इम्पॉसिबल' पीढ़ियों के बीच अपनी भावनात्मक और जीवन से जुड़ी कहानी के कारण गहराई से जुड़ाव बना रहा है। इस शो में पुष्पा का किरदार निभा रही करूणा पांडे ने कहा कि पुष्पा की कहानी हर उम्र की महिलाओं को सशक्त बनाती है। उन्होंने कहा ,पुष्पा की कहानी ने कई ज़िंदगियों को छुआ है और मुझे लोगों की बातें सुनकर गहरा भाव मिलता है। हाल ही में, जब मैं आवारा कुत्तों को खाना खिला रही थी, एक पड़ोसी ने मुझसे कहा कि वह खुद को पुष्पा में देखती हैं। उसकी जद्दोजहद, उसका साहस और कैसे यह शो उनके जीवन में असली बदलाव लेकर आया।

ऐसे पल मुझे कहानी कहने की ताकत की याद दिलाते हैं। जो भी खुद को पुष्पा में देखता है, मैं बस इतना कहना चाहूंगी। आगे बढ़ते रहिए। आपकी उम्र या हालात जो भी हों, आप अब भी सीख सकते हैं, बदल सकते हैं और निखर सकते हैं। बदलाव को खुले दिल से स्वीकार करें, ज़मीन से जुड़े रहें, और प्रेम से नेतृत्व करें क्योंकि यही जीवन को असली अर्थ देता है। करूणा पांडे ने कहा,पुष्पा एक ऐसा उदाहरण हैं जो दिखाती हैं कि उम्र की परवाह किए बिना सपनों का पीछा किया जा सकता है। यह कहानी उन दर्शकों को संदेश देती है कि सपनों को पूरा करने की कोई उम्र नहीं होती। स्कूल लौटने से लेकर अब लॉ कॉलेज तक का पुष्पा का सफर यह साबित करता है कि यदि आपके पास दृढ़ निश्चय और सही सहयोग हो, तो बढ़ने में कभी देर नहीं होती।

भले आप किसी बड़ी उपाधि तक न पहुंचें, लेकिन ज्ञान, उद्देश्य और आत्म-विश्वास की खोज कभी पुरानी नहीं होती। हम यही संदेश देना चाहते हैं सीखने, सपने देखने और अपने लिए एक नई राह बनाने में कभी देर नहीं होती। मैं इस विचार से पूरी तरह सहमत हूं कि जीवन के किसी भी मोड़ पर नई शुरुआत की जा सकती है। हर इंसान के भीतर एक चिंगारी होती है। कुछ सार्थक करने की इच्छा होती है। जब तक हम ज़िंदा हैं और सजग हैं, हम सीखते रहते हैं, बदलते रहते हैं। छोटे-छोटे बदलाव भी मायने रखते हैं। यही तो जीवन को रोमांचक बनाता है। खुद को बार-बार नये रूप में ढालने का अवसर। मेरे लिए, यही असली 'जीना' है। 'पुष्पा इम्पॉसिबल' हर सोमवार से शनिवार, रात 9 बजे, सिर्फ सोनी सब पर प्रसारित होता है।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

स्वाभिमान गिरवी रखकर प्राप्त किया हुआ सोना, चांदी, महल भी मिट्टी के समान है और स्वाभिमान की सूखी रोटी भी पांच पकवान से बढ़कर है। जिस व्यक्ति के जीवन में देश के प्रति स्वाभिमान नहीं होता वह जिंदा भी मुर्दे के समान है। स्वाभिमान ही धर्म का प्रवेश द्वार है, इसके बिना कितना ही दान, त्याग, तपस्या की जाएं, सब व्यर्थ हैं। यहां तक कि यदि संत भी बन जाए तो भी विश्व के किसी धर्म में प्रवेश नहीं हो सकता है। विश्व के सभी महापुरुषों ने स्वाभिमान की रक्षा के लिए अपना तन, मन, धन सर्वस्व न्योछावर कर दिया।

छाछ वितरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के पुरुषवाक्कम के वर्धमान जैन नवयुवक मंडल द्वारा पांचवें वार्षिक छाछ वितरण का आयोजन किया गया। मंडल के आनन्द चुत्तर ने बताया कि इस में मंडल के सदस्यों ने उत्साह से भाग लेते हुए लगभग ढाई हजार गिलास छाछ का वितरण किया। छाछ पीने के बाद तपती गर्मी से लोगों ने राहत का अनुभव किया।

पंजाब एसोसिएशन द्वारा संचालित विद्यालयों के छात्रों का रहा सौ प्रतिशत परिणाम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। पंजाब एसोसिएशन द्वारा संचालित आदर्श ग्रुप ऑफ स्कूल्स के छात्रों की 10वीं एवं 12वीं के परिणाम सौ प्रतिशत रहे। एसोसिएशन द्वारा संचालित आदर्श ग्रुप ऑफ स्कूल की 12वीं कक्षा की छात्रा सखाना एस ने 594 अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया दूसरे एवं तीसरे स्थान पर वी कुमारेशन तथा एस प्रियदर्शिनी रही। वहीं कक्षा दसवीं की परीक्षा में सत्यसूर्यप्रभा पी ने 492 अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया दूसरे एवं तीसरे स्थान पर ए रबीला एंजिला तथा दीपिका वी रही।

ज्ञातव्य है कि पंजाब एसोसिएशन द्वारा शहर भर में कई हायर सेकंडरी स्कूलों तथा महिला कॉलेज का संचालन किया जाता है। छात्रों की इस उपलब्धि पर एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ विक्रम अग्रवाल, सचिव रमेश लांबा सहित अनेक पदाधिकारियों ने छात्रों द्वारा प्राप्त इस अभूतपूर्व परिणाम पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें उत्तरोत्तर प्रगति हेतु शुभकामनाएं दी है।

उन्होंने कहा है कि यह परिणाम न केवल विद्यार्थियों के मेहनत का परिणाम है वरन यह शिक्षकों की निष्ठा और विद्यालय के अनुशासित वातावरण का भी परिणाम है।

यह जानकारी एसोसिएशन के क्रीड़ा सचिव अनिल चोपड़ा में दी है।

नेत्र शिविर में नेत्रों के साथ मधुमेह की जांच

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। महावीर इंटरनेशनल चेन्नई मेट्रो द्वारा तंडियारपेट स्थित तेरापंथ सभा भवन में निःशुल्क नेत्र जांच एवं मधुमेह जांच शिविर लगाया गया। शिविर में मधुमेह एवं नेत्र जांच अग्रवाल आई हॉपिटल्स की चिकित्सकीय टीम द्वारा की गई। शिविर में 41 लोगों के आंखों की जांच की गई जिनमें से 6 व्यक्तियों की आंखों में मोतियाबिंद पाया गया जिनकी निशुल्क सर्जरी करवाई गई एवं 18 व्यक्तियों को चश्मा बनाकर दिए गए। इसके अलावा 18 व्यक्तियों की रक्तचाप व मधुमेह जांच करवाया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष ज्ञानचंद कोठारी, नेत्र शिविर निदेशक पूनमचंद मांडोत, मदनलाल डूंगरवाल, माणकचन्द रांका सहित अनेक लोगों ने अपनी सेवाएं दी।

विमोचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के साहित्यकार ईश्वर करुण की कहानियों की पहली पुस्तक का विमोचन अनूठे तरीके से किया गया। श्वेतवर्णा प्रकाशन, दिल्ली से प्रकाशित पुस्तक '...और कुरिंजी खिल उठा' की प्रतियों का बंडल प्राप्त होते ही उनके परिजनों ने सामूहिक रूप से पुस्तक का प्रमोचन किया।

मैसूरु में अखंड मौन, राजयोग ध्यान और व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम प्रारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के हुणसूर रोड़ स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के राजयोग रिट्रीट सेंटर में प्राचार्य राजयोगी ब्रह्माकुमार रंगनाथ शास्त्रीजी ने 21 दिवसीय अखंड मौन, राजयोग ध्यान और व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम का उद्घाटन और शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार वाणी चांदी है और मौन सोना है, उसी प्रकार मौन भी मनुष्य की आंतरिक आत्मा के अन्वेषण का विषय है। कार्यक्रम में उपजिला की मुख्य संयोजिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी लक्ष्मीजी ने कहा कि इक्कीस दिनों का प्रत्येक क्षण बहुमूल्य है तथा उन्होंने राजयोग, ध्यान, ज्ञान और तप पर विशेष जोर देते हुए इसका पूरा लाभ उठाने का आह्वान किया।

रिट्रीट सेंटर समन्वयक राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी शारदाजी ने शिविर की जानकारी दी।

विक्रमंगलम जैन गुफाएँ

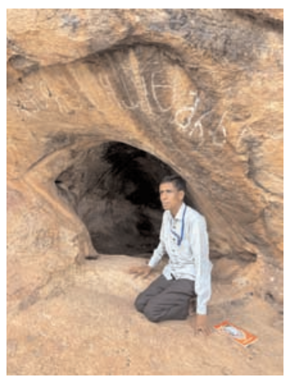

मदुरै जिले के उसिलमपट्टी तालुक में विक्रमंगलम ग्राम इसके निकट वन क्षेत्र की पहाड़ियों में स्थित ऐतिहासिक महत्व की प्राचीन जैन गुफाओं के लिए जाना जाता है। विक्रमंगलम के बाहर उंडंगल नामक दो पहाड़ियाँ हैं– एक छोटी और एक बड़ी। छोटी पहाड़ी समीपवर्ती नाडुमुदलैकुलम गांव की सीमा में है, जबकि बड़ी उंडंगल पहाड़ी विक्रमंगलम का भाग मानी जाती है। इन्हीं पहाड़ियों की जैन गुफाओं और साधना की शैल शैय्याओं पर ईस्वी पूर्व दूसरी सदी के तमिल–ब्राह्मी अभिलेख मिलते हैं।

छोटी पहाड़ी की मध्यम किंतु दुर्गम ऊँचाई पर दो गुफाएँ हैं। इन गुफाओं में जैन मुनि प्राकृतिक नीरवता में एकांतवास के साथ विशेष साधना करते थे। इनमें से एक गुफा के धरातल पर साधना का रहस्य और लोकमंगल को दर्शाती आकृति भी उकेरी हुई हैं। इस गुफा के मुहाने पर तमिल–ब्राह्मी लिपि में 2200 वर्ष प्राचीन अभिलेख खुदा हुआ है। यह अभिलेख कहता है कि वेम्बतूर ग्राम के प्रबुद्ध लोगों की सभा ने उंडंगल पहाड़ी पर इस चट्टानी पर्वत पर साधना शैय्याएँ बनाने में मदद की। वर्तमान में उंडंगल पर्वत के आसपास इस नाम का कोई ग्राम नहीं है। इस नाम का गांव तिरुपुवनम के पास है। यह संदर्भ प्राचीन तमिलप्रदेश में ग्राम, ग्रामवासियों की श्रद्धा एवं क्षेत्रीय संपर्क का अद्भुत निदर्शन है।

इन गुफाओं के पीछे की गुफाओं में पाषाण की बीस साधना शैय्याए और छह अभिलेख हैं। ईस्वी पूर्व दूसरी सदी के ये सभी अभिलेख तमिल–ब्राह्मी लिपि के हैं। शास्त्रीय भाषा प्राकृत के प्राचीन जैन आगम समवायांग सूत्र और प्रज्ञापना सूत्र में अर्धमागधी प्राकृत के अठारह लेख–विधान बताए हैं। उनमें एक है– तामिली। प्रसिद्ध पुराविद् डॉ. सी. शांतलिंगम के अनुसार ये अभिलेख उसी तामिली लिपि में हैं। ये गुफालेख तमिल, तामिली, ब्राह्मी और प्राकृत के सहसंबंध के प्राचीन प्रमाण हैं।

अनेक अभिलेखों में दानदाताओं के नाम हैं। कुछ उपनाम या गोत्र साम्य से यह पता चलता है कि इन गुफाओं तथा शैलशय्याओं को साधना के लिए अनुकूल करवाने, उन्हें समर्पित करने एवं साधकों व संतों के आहार–पानी के प्रबंधन में एक ही परिवार के एक से अधिक सदस्यों का सहयोग भी रहता था।

प्राचीन तमिल लिपि के सर्वप्रथम व सर्वप्राचीन अभिलेख जैन गुफाओं में ही मिलते हैं, उनमें विक्रमंगलम की जैन गुफाएँ भी हैं। ईस्वी पूर्व के समय का एक अक्षर लिखा हुआ मिलना भी पुरातात्विक दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण होता है। ऐसे में जैनों ने उस सुदूर अतीत में भाषा, लिपि और संस्कृति के अनेक संदर्भों को शिलाओं पर लिखकर सुरक्षित करके ऐतिहासिक योगदान किया है।

– डॉ. दिलीप धींग

संघ समर्पण दिवस मनाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां सोमवार को रत्नवंश परम्परा के मूल पुरुष पूज्यश्री कुशलचन्द्र म.सा का पुण्य–स्मृति दिवस श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ तमिलनाडु के तत्वावधान में स्वाध्याय भवन, साहूकारपेट में संघ समर्पण दिवस के रूप में मनाया गया। वरिष्ठ स्वाध्यायी लीलमचन्द बागमार ने आचार्य हस्तीमल म.सा द्वारा रचित आचार्य परम्परा पर स्तुति प्रति दिन जप लेना त्यागी पुरुषों को भविजन भाव से भावों से ओतप्रोत हो गुणगान किए। वरिष्ठ स्वाध्यायी वीरेन्द्र कांकरिया ने जैन धर्म का मौलिक इतिहास के माध्यम से उद्धरण रखते हुए निर्मल साधक की साधना पर प्रकाश किया।

श्रावक संघ तमिलनाडु के निवर्तमान कार्याध्यक्ष आर नरेन्द्र कांकरिया ने कुशलचंद्र म.सा के जन्म,बचपन व दृढ़ वैराग्य भाव का वर्णन करते हुए कहा कि मारवाड़ में सेठो की रियां में जन्म लेने वाले कुशलचंद्र को 27 वय की उम्र के समय,रियां में ही आचार्य श्री भूधर म.सा ने दीक्षित किया। आपको रत्नवंश के आदि प्रवर्तक के रूप में जाना जाता हैं। आप प्रभावशाली व्याख्याता थे। जब आपके गुरुदेव श्री भूधर म.सा का देवलोकगमन हुआ,आपने अपने गुरुभाई आचार्य श्री जयमल म.सा की तरह जीवन भर आड़े आसन नहीं करने अर्थात लेटना नहीं की प्रतिज्ञा करते हुए जीवनपर्यन्त दृढ़तापूर्वक पालन किया। आपका विहार –विचरण व चातुर्मास मारवाड़, मेवाड़ व मालवा में रहा। आपने 45 वर्षों तक दृढ़ता पूर्वक संयम का पालन किया और आज की ही तिथि ज्येष्ठ बदी षष्ठी को नागौर, राजस्थान में 73 की वय में तीन दिन के संथारे पूर्वक समाधिमरण का वरण करते हुए देवलोकगमन किया। सामूहिक व्रत–नियम अम्बालाल कर्णावट व प्रत्याख्यान रूपराज सेठिया ने करवाये। इंदरचंद कर्णावट ने मंगल पाठ किया। तीर्थंकर भगवन्तों, आचार्य भगवन्तों, उपाध्याय भगवन्त व चरित्र आत्माओं की जयजयकार के साथ परम्परा के मूलपुरुष श्री कुशलचंद्र म.सा की पुण्यतिथि जप तप त्याग सामायिक स्वाध्याय साधना पूर्वक संघ समर्पण दिवस के रूप में मनायी गयी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अन्नदान

बेंगलूरु के वर्धमान स्थानकवासी नवयुवक मंडल अक्कीपेट के सदस्यों द्वारा अक्कीपेट स्थानक के प्रांगण में जरूरतमंद लोगों के लिए अन्नदान किया गया। फूलचंद, मूलचंद लुनिया परिवार के सौजन्य से आयोजित इस मानव सेवा कार्यक्रम में कमलेश सालेचा, पंकज विनायकिया, राजेंद्र बाफना, महावीर भंसाली, महावीर छाजेड़ सहित अन्य सदस्यों ने अन्नदान सेवा में सहयोग किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान

जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीतो) हुब्बल्ली चैप्टर के सदस्यों ने विधायक अरविंद बेलाड से मुलाकात कर उन्हें नवकार महामंत्र दिवस के आयोजन के लिए सहयोग देने के लिए सम्मानित किया। जीतो के गौतम ओस्तवाल, मुख्य सचिव प्रवीण चौधरी और निदेशक नवीन खिंवेसरा ने बेलाड को हस्तनिर्मित स्मृति चिन्ह भेंट किया।

साहुकारपेट के एसएस जैन संघ की साधारण सभा सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां साहूकार पेट स्थित स्थानक भवन में श्री एस एस जैन संघ साहूकार पेट की साधारण सभा का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम संघ के अध्यक्ष प्रकाशचन्द खिवसरा ने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए गत वर्ष के चातुर्मास और भव्य दीक्षा के लिए सभी सदस्यों के सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

तत्पश्चात संघ के महासचिव संजय पींचा ने पिछले वर्ष की संघ की गतिविधियों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए 2025 के राष्ट्रीय संत कमलेश मुनि जी महाराज के प्रस्तावित चातुर्मास की तैयारियों की समीक्षा करते हुए सदस्यों से चातुर्मास के दौरान सहयोग की अपील की। कोषाध्यक्ष जितेन्द्र भंडारी ने गत वर्ष के चातुर्मास और दीक्षा का आय व्यय का हिसाब प्रस्तुत किया, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। सभा में उपस्थित अनेक सदस्यों ने विभिन्न रचनात्मक सुझाव दिया, जिसे सिध्दांततः स्वीकार कर लिया गया।

वर्तमान अध्यक्ष प्रकाशचन्द खिवसरा ने निजी व्यस्तताओं का हवाला देते हुए अपने पद से हटने और नये अध्यक्ष के मनोनयन की अपील की लेकिन साधारणसभा में एक स्वर में उनके पद से हटने की अपील नामंजूर करते हुए राष्ट्रीय संत कमलेश मुनि जी म.सा. जैसे महत्वपूर्ण चातुर्मास उनके ही नेतृत्व में कराने का आग्रह किया, एवं जनभावना का सन्मान करते हुए खिवसरा ने अपने पद पर रहने की संस्तुति देते हुए सदस्यों को चातुर्मास के दौरान ज्यादा से ज्यादा सहयोग की अपील की। सभा में कार्याध्यक्ष सुशील ललवानी, पूर्व महासचिव सज्जन राज सुराना, हस्ती मल खटोड, मनोहर कोठारी और सुरेश डूंगरवाल, शांतिलाल मेहता, जवाहर लाल कटारिया, राकेश कोठारी, राजेश चोरडिया सहित अनेक सदस्यों ने अपने विचार व्यक्त किए। सभा के समापन में महासचिव संजय पिन्चा ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

राजाजीनगर में कॉन्फिडेंट पब्लिक स्पीकिंग कार्यशाला का दीक्षांत समारोह सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा आयोजित सप्त दिवसीय कॉन्फिडेंट पब्लिक स्पीकिंग कार्यशाला का दीक्षांत समारोह तेरापंथ भवन में साध्वीश्री सोमयशाजी के सान्निध्य में व तेयुप के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पवन मांडोत की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। तेयुप के अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया ने सभी का स्वागत किया। कार्यशाला में जोनल प्रशिक्षण ललित बेंगवानी, शिवानी चोपड़ा एवं पलक जैन ने सभी प्रतिभागियों को वक्तव्य कला के गुर सिखाए। कार्यशाला में विभिन्न आंकलन के बाद पाँच प्रतिभागियों मोहित बाबेल, युवराज गुर्लिया, जिनिशा जैन, संस्कार जैन एवं शुभ लोसर को पुरस्कृत किया। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र, पदक एवं गिफ्ट वाउचर्स दिए गए। इस मौके पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पवन मांडोत, मुख्य अथिति एवं राजाजीनगर सभा के अध्यक्ष अशोक चौधरी, विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय सीपीएस प्रभारी एवं राजाजीनगर शाखा प्रभारी दिनेश मरोठी, महिला मंडल की अध्यक्षा उषा चौधरी आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। मुख्य प्रायोजक गन्ना, प्रायोजक कोठारी व बांठिया परिवार का सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम में अभातेयुप के अमित दक, गोतमजदक, गौतम खाबिया, विकास बांठिया, राकेश पोखरणा, तेयुप गांधीनगर अध्यक्ष विमलजी धारीवाल, तेयुप विजयनगर के अध्यक्ष कमलेश चौपड़ा आदि उपस्थित थे। मंत्री जयंतीलाल गाँधी ने धन्यवाद दिया।

गांधीनगर तेरापंथ भवन में चार दिवसीय चरित्र निर्माण शिविर का हुआ समापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर स्थित तेरापंथ भवन में साध्वीश्री पावनप्रभाजी व पुण्ययशाजी के सान्निध्य में तेरापंथ सभा के तत्वावधान में समण संस्कृति संकाय के अंतर्गत चार दिवसीय चरित्र निर्माण शिविर का समापन हुआ। इस शिविर में 1%5 बच्चों ने भाग लिया। साध्वीश्री पावनप्रभाजी ने व्यावहारिक, आध्यात्मिक ज्ञान के बारे में बताते हुए चरित्र निर्माण शिविर के आवश्यकता पर जोर दिया। साध्वीश्री पुण्ययशाजी ने शिविर की महत्ता को समझाते हुए अभिभावकों को आहवान किया कि वे सभी अपने अपने बच्चों को गांधीनगर ज्ञानशाला में अध्ययन हेतु अवश्य भेंजे। साध्वीश्री ने बच्चों के आध्यात्मिक विकास हेतु अनेक छोटे–छोटे गुर बताए। समापन के मौके पर बच्चों ने प्रतिक्रमण, छह कार्य, भविष्य आदि विषयों पर नाट्य प्रस्तुति दी तथा अंताक्षरी, एलोकेशन स्पीच, क्विज प्रतियोगिता आदि कार्यक्रमों में भाग लिया। निखिल बांठिया ने जैन विद्या के बारे में अपने विचार व्यक्त किए। तेरापंथ सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली ने सबका स्वागत किया। शिविर के संयोजक जुगराज श्रीश्रीमाल ने आभार व्यक्त किया। शिविर में हेमंत छाजेड़, केंद्रीय व्यवस्थापक कमलेश पितलिया भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन गौतम डोसी ने किया।

टीपीएफ बेंगलूरु सेंट्रल ब्रांच ने संडे को बनाया 'फन-डे संडे'

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम, बेंगलूरु सेंट्रल शाखा द्वारा रविवार को फन–डे संडे कार्यक्रम' का आयोजन किया गया जिसमें 25 सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। टीपीएफ सदस्य डॉ. निशा मेहता द्वारा लगभग 30 मिनट के प्रेक्षा ध्यान सत्र का आयोजन किया। शाखा अध्यक्ष पुष्पराज चोपड़ा ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम में सभी सदस्यों के परिचय सत्र के माध्यम से आपसी मेल–जोल और आत्मीयता को बढ़ावा दिया गया । कार्यक्रम में विभिन्न रोचक व ज्ञानवर्धक खेलों का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय टीम के निर्देशानुसार सदस्यों के साथ रि–कनेक्ट सत्र का आयोजन हुआ जिसका उद्देश्य परस्पर विचार–विमर्श, आपसी संवाद और संगठनात्मक जुड़ाव को सशक्त बनाना रहा। शाखा के उपाध्यक्ष जितेन्द्र आंचलिया, संजय सुराणा, कोषाध्यक्ष आकाश गादिया आदि उपस्थिति थे। उपाध्यक्ष राहुल डागा के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम के संयोजक आशीष कुमार नाबेड़ा थे।अंत में राहुल डागा ने सभी को धन्यवाद दिया

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.